ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025

दैनिक साँध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 205/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

आर.एन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

dainiksandhyaprakash.in

मोदी बोले-बच्चों की परीक्षा के कारण मैं देरी से पहुंचा

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, यहां आने में विलंब हुआ इसके लिए क्षमा चाहता हूं। बच्चों की असुविधा को देखते हुए मैंने अपना कार्यक्रम बदला। कल जब यहां पहुंचा तो ध्यान में आई की आज 10वीं-12वीं के बच्चों का एग्जाम है। उनका समय और मेरा राजभवन से निकलने का समय एक है। इससे आशंका थी कि सिक्योरिटी के कारण रास्ते बंद हो जाएं तो बच्चों को एग्जाम जाने देने में कठिनाई हो जाए। ये कठिनाई न हो इसके कारण मैंने राजभवन से निकलने में देर की।

महाकाल लोक देखने जरूर जाएंः मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा ये सही समय है आपके लिए मध्य प्रदेश में इन्वेस्टमेंट करने का और मध्य प्रदेश में इन्वेस्टमेंट बढ़ाने का। इसके साथ ही उन्होंने सभी निवेशकों से आग्रह किया है कि आप यहां आए हैं तो उज्जैन में महाकाल लोक देखने जरूर जाएं।

पीएम मोदी ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 18 नीतियों का लोकार्पण कर कहा-

मप्र में निवेश का यही सही समय

- **देशभर के 300 से ज्यादा बड़े उद्योगपति और 50 से ज्यादा देशों के 133 डेलिगेट्स शामिल हो रहे**

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में का उद्घाटन किया। कार्यक्रम स्थल पर वे मंच पर नहीं नीचे लगी कुर्सी पर बैठे। इसके पहले पीएम ने प्रदेश में 18 नीतियों का लोकार्पण किया। यह नीतियां प्रदेश में विकास की गति को नई दिशा देंगी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में निवेश का यही समय सही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुरुआत में कहा कि आज मुझे यहां आने में विलंब हुआ, इसके लिए मैं आप सबसे क्षमा चाहता हूं। विलंब इसलिए हुआ क्योंकि कल जब मैं यहां पहुंचा तो एक बात ध्यान में आई कि आज 10वीं और 12वीं के छात्रों के एग्जाम हैं। उसका समय और मेरा राजभवन से निकलने का समय क्लेश हो रहा था। उसके कारण संभावना थी कि सिक्युरिटी के कारण अगर रास्ते बंद हो जाएं और बच्चों को परीक्षा के लिए जाने में कठिनाई हो जाए। ये कठिनाई न हो, बच्चे समय से अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंच जाएं। इसके कारण मैंने निकलने में ही 10-15 मिनट की देरी कर दी।

फास्टेस्ट ग्रोइंग इकोनामी- कुछ दिन पहले ही वर्ल्ड बैंक ने कहा है कि भारत आने वाले वर्षों में ऐसे ही दुनिया की फास्टेस्ट ग्रोइंग इकोनामी बना रहेगा। कुछ ही दिन पहले क्लाइमेंट चेंज पर यूएन की एक संस्था ने भारत को सोलर पॉवर की सुपरपॉवर कहा था। इस संस्था ने ये भी कहा कि जहां कई देश सिर्फ बातें करते हैं, वहीं भारत नतीजे लाकर दिखाता है। मध्य प्रदेश जनसंख्या के हिसाब से भारत का पांचवां सबसे बड़ा राज्य है। मध्य प्रदेश कृषि के मामले में भारत के टॉप के राज्यों में है। मिनरल्स के हिसाब से भी मध्य प्रदेश देश के टॉप 5 राज्यों में है। मध्य प्रदेश को जीवनदायिनी मां नर्मदा का भी आशीर्वाद प्राप्त है। मध्य प्रदेश में हर वो संभावना है, हर वो पोटेंशल है जो इस राज्य को जीडीपी के हिसाब से भी देश के टॉप 5 राज्यों में ला सकता है। बीते 2 दशकों में मध्य प्रदेश ने ट्रांसफर्मिमेशन का नया दौर देखा है।

दुनिया कर रही है भारत से बहुत आशाएं

विकसित मध्य प्रदेश से विकसित भारत की यात्रा में आज का ये कार्यक्रम बहुत अहम है। इस भव्य आयोजन के लिए मैं सीएम डॉ. मोहन यादव और उनकी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। भारत के इतिहास में ऐसा अवसर पहली बार आया है, जब पूरी दुनिया भारत के लिए इतनी ऑप्टिमिस्टिक है। पूरी दुनिया में चाहे सामान्य जन हो, अर्थनीति के विशेषज्ञ हो, विभिन्न देश हो या फिर इंस्टीट्यूशन इन सभी को भारत से बहुत आशाएं हैं।

पीएम मोदी के भाषण की 10 प्रमुख बातें

- मध्य प्रदेश आज देश की ईवी क्रांति के लीडिंग स्टेट में से एक है। जनवरी 2025 तक करीब दो लाख ईवी एमपी में रजिस्टर्ड हुए।
- एमपी आज मैन्युफैक्करिंग के नए सेक्टर्स के लिए भी शानदार डेस्टिनेशन बनता जा रहा है।
- एमपी में हर वो संभावना है जो इसे जीत के टॉप 5 राज्यों में ला सकता है। बीते दो दशकों में एमपी ने ट्रांसफॉर्मेशन का नया दौर देखा है।
- एमपी के रेल नेटवर्क को भी मॉर्डनाइज किया जा रहा है। भोपाल का रानी कमलापति रेलवे स्टेशन सभी का मन मोह लेता है।
- एमपी के 80 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्कीम के तहत मॉर्डन बनाया जा रहा है।
- आज एमपी में 5 लाख किलोमीटर से अधिक का रोड नेटवर्क है। एमपी में लॉजिस्टिक से जुड़े सेक्टर की ग्रोथ तय है।
- सरकार ने बीना रिफाइनरी पेट्रो केमिकल कॉम्प्लेक्स पर 50 हजार करोड़ का निवेश किया है। ये स्क्को पेट्रो केमिकल का हब बनाने में मदद करेगा।
- विश्व बैंक ने कहा है भारत आने वाले सालों में ऐसे ही दुनिया की फास्टेस्ट ग्रोइंग इकॉनॉमी बना रहेगा।
- यूएन की एक संस्था ने भारत को सोलर पावर की सुपर पावर कहा था। यह भी कहा कि जहां कई देश सिर्फ बातें करते हैं, वहीं भारत नतीजे लाकर दिखाता है।
- एक रिपोर्ट में बताया है कि ग्लोबल एयरो स्पेस बम्स के लिए कैसे भारत एक बेहतरीन सप्लाई चेन के रूप में उभर रहा है

पीएम मित्र पार्क समेत 11 विशेषताओं का डिजिटल अनुभव

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट (जीआईएस) में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के सपने को साकार करती मध्य प्रदेश की नदी जोड़ो परियोजना, धार का पीएम मित्र पार्क और कूनो में चीतों के कुनबा सहित प्रदेश की 11 विशेषताओं का डिजिटल अनुभव किया जा सकेगा। जीआईएस में सात विभागीय सम्मेलन होंगे, जिनमें आईटी प्रौद्योगिक, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, पर्यरण, खनन, एमएसएमई, स्टार्टअप, नगरीय विकास और प्रवासी महाकुंभ होगा। जीआईएस के लिए 31,659 पंजीयन हुए है।

आचार्य बालकृष्ण बोले- मध्यप्रदेश संभावनाओं का ब्रांड

पतंजलि के सीईओ आयार्य बालकृष्ण भी समिट में पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश संभावनाओं का ब्रांड है। हम भी उसी संभावना के तहत लोगों को रोजगार मिले और प्रदेश हो, पतंजलि हमेशा इसका प्रयास करता है। पतंजलि की कई यूनिट पहले से मध्यप्रदेश में हैं। यहां कृषि, आयुर्वेद और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हम बहुत काम करेंगे।

एमपी से होकर गुजर रहा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे

बीते दशक में भारत ने इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में उछाल का दौर देखा है। इसका बहुत बड़ा फायदा मध्य प्रदेश को मिला है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे जो देश के 2 बड़े शहरों को जोड़ रहा है, उसका बड़ा हिस्सा मध्य प्रदेश से ही होकर गुजर रहा है। यानी एक तरफ मध्य प्रदेश को मुंबई के पोर्ट्स के लिए तेज कनेक्टिविटी मिल रही है और दूसरी तरफ नार्थ इंडिया के बाजार को भी ये कनेक्ट कर रहा है।

सीएम ने कहा आज से विश्व में भोपाल की नई पहचान बनेगी

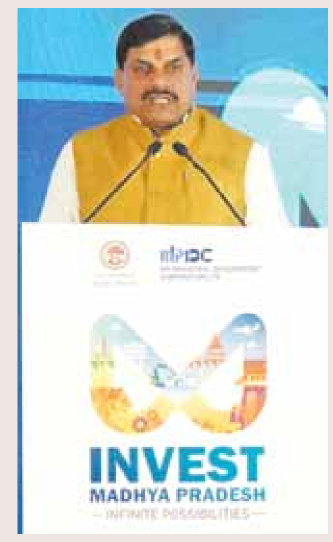

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल की पहचान गैस त्रासदी से होती थी। आज के बाद भोपाल ग्लोबल रूप से नई पहचान बनाने जा रहा है। मध्य प्रदेश में संपदा भरपूर है। भोपाल देश की स्वच्छ राजधानियों में से औद्योगिक विकास आए हैं। हमने पांच वर्ष में अर्थव्यवस्था को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। एक वर्ष पूर्व औद्योगिक विकास की यात्रा रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव प्रारंभ की मुंबई, कोयंबटूर, दिल्ली में कार्यक्रम किए। निवेश नीति पर हम काम कर रहे हैं। 18 नई नीतियां लेकर आए हैं। नियम प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है। 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष बना रहे हैं। विभागीय सबमिट हुई है। प्रदेश में निवेश के लिए बहुत सकारात्मक वातावरण है। नए औद्योगिक पार्क बना रहे हैं। पर्यटन के क्षेत्र में संभावनाएं हैं।

अडाणी ने प्रदेश के लिए खोला खजाना

वीडियो मैसेज में अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा कि वे मध्य प्रदेश में पंप स्टोरेज, सीमेंट, माइनिंग, स्मार्ट मीटर, थर्मल एनर्जी में 1 लाख 10 हजार करोड़ का इन्वेस्टमेंट करेंगे। इस इन्वेस्टमेंट से प्रदेश में 2030 तक 1 लाख 20 हजार युवाओं को जब मिलेगा। इसके अलावा अडाणी ने कहा कि आने वाले समय में सरकार के साथ बातचीत के बाद स्मार्ट सिटी, एयरपोर्ट और कोल बेड एरिया में एक लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त इन्वेस्ट करेंगे। यह सिर्फ निवेश नहीं बल्कि मध्य प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। यह निवेश मध्य प्रदेश को देश और दुनिया में इंडस्ट्री के क्षेत्र में लीडर बनाएगा।

विदाई आभार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय भोपाल यात्रा के बाद दोपहर 12.15 बजे राजकीय विमानतल से भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से पटना रवाना हुए।

औद्योगिक संभावनाओं पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन

कार्यक्रम में प्रदेश की औद्योगिक संभावनाओं पर केंद्रित लघु फिल्म मध्य प्रदेश-अनंत संभावनाएं का प्रदर्शन किया गया।

सीएम बोले-प्रदेश सरकार विकास में लगातार आगे बढ़ रही

समिट को संबोधित करते हुए सीएम मोहन यादव ने कहा कि भोपाल देश की स्वच्छतम राजधानियों में से एक है। यहां आप सभी का स्वागत है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास में लगातार आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सबका साथ, सबका विकास सबका विश्वास की अवधारणा दी है। ये दर्शाता है हर क्षेत्र में विकास की असीम संभावनाएं हैं।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की फोटो झलकियां पेज 8 पर

सांसदों-विधायकों और पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों से चर्चा कर बोले प्रधानमंत्री मोदी

जनता के बीच काम करोगे, तो चुन लिए जाओगे, गुरूर में रहे तो जनता घर बैठा देगी

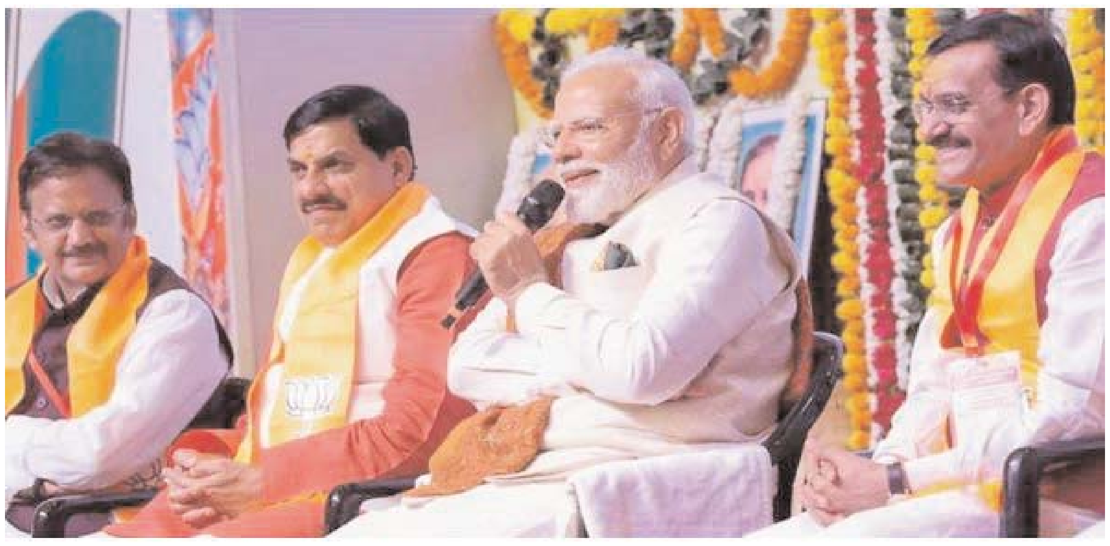

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के सभी सांसदों-विधायकों और पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों से संवाद किया। मोदी ने कहा कि सत्ता सेवा के लिए है, जनता की सेवा करोगे तो बरकरार रहेगी। कुछ और करोगे तो जनता इसे छीन लेगी। इसलिए जनता के बीच रहे, उनके काम करें।

जनता आपका व्यवहार देखती है, इसलिए अपना आचरण ऐसा रखें कि जन समाज के बीच आपकी छवि ठीक रहे। प्रधानमंत्री ने अपनी क्लास में कहा कि आप लोग सार्वजनिक जीवन में हैं, इसलिए व्यवहार में सार्वजनिक हित को हमेशा आगे रखें। मोदी ने स्व कुशाभाऊ ठाकरे के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि वे जानते थे कि जनता और कार्यकर्ता से कनेक्ट कैसे करना है, उनके आचरण से हमें सीखने चाहिए। उन्होंने विधायकों से चर्चा में पूछा कि विधानसभा में कौन से मुद्दे उठाते हो, कैसे उठाते हो? तरीका क्या रहता है? मोदी ने कहा कि जनता के बीच रहकर उनके काम करते रहोगे तो दोबारा भी चुनकर आ जाओगे। काम नहीं किए या अपने ही गुरूर में रहे, तो जनता घर बैठा देगी। इसलिए ध्यान रखो, लोकतंत्र में जनता का विश्वास ही किसी नेता की सबसे बड़ी ताकत होती है।

सिर्फ 208 लोगों को ही एंट्री मिली: मोदी के संवाद कार्यक्रम में सिर्फ 208 लोगों को ही प्रवेश मिला। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को छोड़कर मप्र से सभी केंद्रीय मंत्री, सभी सांसद, विधायक मौजूद थे। मंच पर सीएम मोहन यादव, वीडी शर्मा और दोनों डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला को जगह मिली। पार्टी पदाधिकारियों में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मप्र प्रभारी डॉ महेंद्र सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद समेत तीन अन्य महामंत्री भी शामिल थे। मोदी शाम को 5.20 बजे यहां पहुंचे। बैठक के बाद प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा 'मप्र के भाजपा सांसदों, विधायकों से चर्चा का सुअवसर मिला। जनता-जनार्दन के प्रति उनके समर्पण और सेवाभाव को लेकर बातचीत हुई। हमारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उन तक कैसे पहुंचे, इसे लेकर सार्थक विचार-विमर्श हुआ है।' कुशाभाऊ ठाकरे जी की प्रतिमा पर श्रद्धा-सुमन भी अर्पित किए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार पहुंचने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राजेन्द्र शुक्ल ने अगवानी कर स्वागत किया।

जीआईएस में पर्यटन में निवेश की संभावनाओं के लिये खुलेंगे नए द्वार

भोपाल । ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान पर्यटन क्षेत्र में निवेश के लिये संभावनाएं के नए द्वार खुलेंगे। आयोजन के दूसरे दिन 25 फरवरी को फ्यूचर रेडी मध्यप्रदेश के निर्माण में पर्यटन और संस्कृति के योगदान और अवसरों पर एक परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा। इसमें केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र शेखावत, सचिव, पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार सुश्री वी विद्यावति, प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग और प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला, इतिहासकार पद्मश्री के.के. मोहम्मद, अध्यक्ष, एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री अजीत बजाज, अभिनेता श्री पंकज त्रिपाठी, कार्यकारी उपाध्यक्ष इंडियन होटल्स कंपनी लि. श्री रोहित खोसला, हेड कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन्स एंड कॉर्पोरेट एफेयर्स मेक माई ट्रिप श्री समीर बजाज, निदेशक जेहनुमा होटल्स श्री अलि राशिद, अभिनेता श्री विजय विक्रम सिंह अपने विचार व्यक्त करेंगे।पर्यटन अधोसंरचनाओं का विकास हो या फिर पर्यटकों की सुविधाओं में विस्तार, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग ने विभिन्न स्तर पर तैयारियां की है। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने बताया कि पर्यटन क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं में कुल 1000 हेक्टेयर से अधिक भूमि चिह्नित की है। निवेशकों को इन स्थानों पर होटल, रिसोर्ट, गोल्फ कोर्स, वे-साइड एमिनिटिज इत्यादि परियोजनाएं शुरू करने पर नई पर्यटन नीति में प्रोत्साहन दिया जाएगा।

श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई अध्यक्ष बनने पर जीतेंद्र मिढोरे का किया स्वागत

भोपाल। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांत अध्यक्ष शलभ भदौरिया की अनुशंसा पर पत्रकार जीतेंद्र उर्फ जतिन मिढोरे को मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई भोपाल का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। मिढोरे की इस नियुक्ति पर पत्रकार साथियों ने हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। संघ मुख्यालय पर पत्रकार साथियों ने जतिन का किया भव्य स्वागत। बधाई देने वालों दया प्रसाद, सरल भदोरिया, शिशुपाल सिंह तोमर, मुख्तार खान, आलोक गुप्ता, अंशुल श्रीवास्तव, दीनानाथ पटेल, अनुपम राय, अशोक सक्सेना नईम खान वसीम खान आदि शामिल है।

अशोका गार्डन में हुआ विश्वकर्मा समाज का युवक- युवती परिचय सम्मेलन

भोपाल। दुर्गा धाम मंदिर अशोका गार्डन में विश्वकर्मा समाज का युवक, युवती परिचय सम्मेलन रविवार को आयोजित किया गया। इसमें 400 युवक एवं युवतियों ने अपना परिचय दिया। समिति द्वारा सभी का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। लगभग 1000 तत्काल रजिस्ट्रेशन भी हुए हैं। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक चला। कार्यक्रम का शुभारंभ महामंडलेश्वर स्वामी भगवता नंद गिरी महाराज ने विश्वकर्मा दर्पण पत्रिका का विमोचन कर किया। खुशाली विश्वकर्मा द्वारा भरत नाट्यम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कुंडली निवारण के लिए विद्वान ज्योतिष आचार्य शरद शर्मा , प्रदेश अध्यक्ष विनोद विश्वकर्मा एवं समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश औद्योगिक भारत के मानचित्र पर भी केन्द्र बिन्दु : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

दुनिया आज नए औद्योगिक युग में प्रवेश कर रही है। वैश्विक निवेशक स्थिरता, व्यापार की सुगमता और टर्न ओवर एवं प्रोफिटेबिलिटी में दीर्घकालिक वृद्धि की तलाश में हैं। इन परिस्थितियों में भोपाल में आयोजित हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस)-2025 मध्यप्रदेश को इस बदलाव नेतृत्व-कर्ता के रूप में उदित होने के लिये स्वर्णिम अवसर है। इस आयोजन की सफलता से भारत का हृदय प्रदेश राष्ट्रीय ही नहीं वैश्विक औद्योगिक निवेशों का नया केंद्र बन कर उभर रहा है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 मध्यप्रदेश को भारत के औद्योगिक हृदय-स्थल और वैश्विक निवेश की धुरी बनने का ऐतिहासिक अवसर है। यह वह मंच होगा जहाँ मध्यप्रदेश अपनी ताकत, नीतियों और निवेश के लिए बनाए गए अनुकूल माहौल को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत करेगा। वैश्विक निवेशक तीन बातों को प्राथमिकता देता है, स्थान, नीति और मूलभूत सुविधाएँ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व ने प्रदेश को इन सभी मानकों पर खरा उतरने के योग्य बन दिया है। उद्योगों के विकास के लिए फास्ट-ट्रैक मंजूरी, सिंगल-विंडो क्लियरेंस और उद्योग-हितैषी नीतियाँ निवेशकों को समय और लागत दोनों में लाभ पहुंचाने में सक्षम रणनीतियों से सरकार ने एक ऐसा वातावरण तैयार किया है राज्य में विकसित हो रहे औद्योगिक गलियारे, लॉजिस्टिक्स पार्क और स्मार्ट शहर इसे भारत का निवेश-आकर्षण बना रहे हैं। देश के केंद्र में स्थित होने के कारण यहाँ से भारत ही नहीं दुनिया

भर के बड़े उपभोक्ता बाजारों तक आसानी से पहुँचा जा सकता है। मध्यप्रदेश अब विनिर्माण क्षेत्र में भारत के सबसे महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक बनकर उभर रहा है। सरकार द्वारा दी जा रही रियायतें और प्रोत्साहन इस दिशा में निवेशकों का भरोसा मज़बूत कर रहे हैं। पूँजीगत सब्सिडी, स्टांप शुल्क में छूट और औद्योगिक पार्कों में तैयार मूलभूत इन्फ्रास्ट्रक्चर उद्योगों को तेज़ी से स्थापित और विस्तारित करने में सहायता कर रहे हैं। लॉजिस्टिक्स को आधुनिक बनाने के लिए किए गए निवेश के कारण अब आपूर्ति श्रृंखला और माल परिवहन अधिक सुगम हो गया है, जिससे निवेशकों को राज्य में उद्योग स्थापित करने के लिए और अधिक आकर्षक संभावनाएँ दिख रही हैं।

वैश्विक व्यापार अब स्थायी विकास की ओर बढ़ रहा है और मध्यप्रदेश इस हरित क्रांति का एक प्रमुख स्तंभ बनने के लिए तैयार है। प्रदेश की नई ऊर्जा नीति में 12 हजार मेगावाट ग्रीन एनर्जी उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे उद्योगों को क्लीन-ग्रीन और सस्ती बिजली पर्याप्त मात्रा में मिल सके। राज्य सरकार ने नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए ट्रांसमिशन चार्ज छूट और प्राथमिकता के आधार पर भूमि आवंटन जैसी नीतियाँ लागू की हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी निर्माण को गति देने के लिए भी विशेष प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। प्रमुख मार्गों पर चार्जिंग स्टेशनों का व्यापक नेटवर्क तैयार किया जा रहा है, जिससे हरित ऊर्जा को वास्तविक रूप में लागू करने की दिशा में तेज़ी से प्रगति हो रही है। मध्यप्रदेश अब सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में भी प्रभावी रूप से आगे बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर नीति-2025 के अंतर्गत निवेशकों को बड़े पैमाने पर पूँजीगत सब्सिडी और तेज मंजूरी प्रक्रियाओं की सुविधा दी जा रही है। इस क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना के लिए 'नो-क्वेरी पोर्टल' विकसित किया गया है, जो निवेशकों को बिना किसी जटिलता के अपने उद्योगों की शुरुआत करने की अनुमति देता है। इसके अलावा, वीएलएसआई और सेमीकंडक्टर डिज़ाइन प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना से इस उद्योग के लिए कुशल कार्यबल विकसित करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश नए मानक स्थापित कर रहा है। ड्रोन नीति 2025 बना कर राज्य को भारत का अग्रणी ड्रोन निर्माण केंद्र बनाने की दिशा में तेज़ी से कार्य किया जा रहा है। सरकार द्वारा दिए जा रहे अनुसंधान अनुदान और सब्सिडी के कारण ड्रोन निर्माण, लॉजिस्टिक्स, कृषि और आपदा प्रबंधन में तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा मिल रहा है।राज्य में स्टार्ट-अप इकोसिस्टम भी अभूतपूर्व गति से बढ़ रहा है। सरकार द्वारा स्टार्ट-अप फंड और वैश्विक नेटवर्किंग को प्रोत्साहित करने के लिए दी जा रही सहायता से यहाँ नए उद्योगों की स्थापना की संभावनाएँ सशक्त हो रही हैं। आर्थिक विकास तभी सार्थक माना जाता है जब उद्योगों के साथ ही रोज़गार के अवसरों का भी विस्तार हो। मध्यप्रदेश में लागू की जा रही नीतियाँ न केवल उद्योगों को निवेश के लिए आकर्षित कर रही हैं, बल्कि इससे लाखों युवाओं के लिए रोज़गार के नए द्वार भी खुल रहे हैं।

जीआईएस के लिए अस्पतालों में तैयार उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाएं

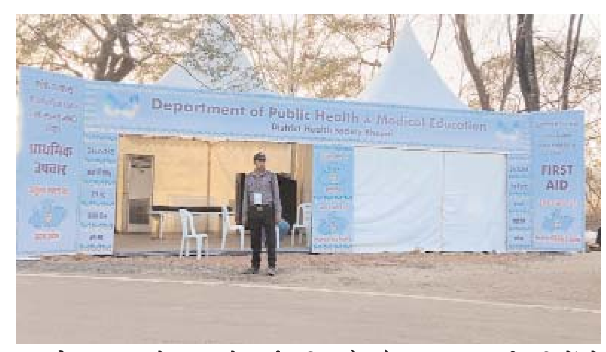

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान सामान्य बीमारियों से लेकर आकस्मिक चिकित्सा स्थितियों में उपचार की सभी व्यवस्थाएं की गईं है। समिट में आए अतिथियों के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक बिंदु पर समीक्षा कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। समिट में चिकित्सा व्यवस्थाओं के लिए निजी मेडिकल कॉलेजों और निजी अस्पतालों द्वारा भी स्वैच्छिक रूप से आगे बढ़कर सहभागिता दी जा रही है। कार्यक्रम के लिए एक दिन पूर्व ही 108 एम्बुलेंसेस को मुख्य कार्यक्रम स्थल,टेंट सिटी,पार्किंग स्थल, प्रमुख चौराहों एवं मार्गों पर तैनात किया जा चुका है।

मुख्य कार्यक्रम स्थल एवं टेंट सिटी में चिकित्सा इकाई क्रियाशील हो गई है। यहां पर आकस्मिक परिस्थितियों में उपचार की सभी व्यवस्थाएं की गई हैं, जो कि वरिष्ठ चिकित्सकों की देखरेख में दी जाएंगी। आगंतुकों के लिए सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा भी मौजूद रहेगी। साथ ही पैथोलॉजिकल जांच की व्यवस्था भी यहां पर की गई है। चिकित्सकीय आकस्मिकता की स्थिति में प्राथमिक उपचार देकर 108 वाहनों से नजदीक कन्टिंजेंसी अस्पताल भिजवाया जाएगा। विभाग द्वारा शहर के विभिन्न होटल में भी चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी लगाई गई है। जो कि नज़दीकी कन्टिंजेंसी अस्पतालों के संपर्क में रहकर आकस्मिक स्थितियों में उपचार की व्यवस्था करेंगे। समिट के दौरान सभी कन्टिंजेंसी अस्पताल 24×7 हाई अलर्ट मोड पर रहेंगे। समिट में निजी अस्पतालों द्वारा आगे बढ़कर सहभागिता दी गई है। निजी क्षेत्र से अपोलो सेज हॉस्पिटल, सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, बंसल अस्पताल, एल एन मेडिकल कॉलेज, चिरायु मेडिकल कॉलेज, नोबेल मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नर्मदा ट्रॉमा सेंटर, आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज, पीपल्स मेडिकल कॉलेज, कैरियर एवं हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर इत्यादि की टीमें 23 से 25 फरवरी के बीच चिकित्सा सेवाओं के लिए तैनात रहेंगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बड़ी संख्या में मेहमानों के आगमन को देखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाएं भी व्यापक तौर पर की गई हैं। निजी क्षेत्र की स्वास्थ्य संस्थाएं भी विभाग को सहयोग दे रही हैं ।

भारतीय किसान संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी घोषित

जबलपुर से राघवेन्द्र पटेल बने पुनः प्रचार प्रमुख

जबलपुर। भारतीय किसान संघ के तीन दिवसीय 14वें अखिल भारतीय अधिवेशन के दूसरे दिन शनिवार को भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय अध्यक्ष व महामंत्री का निर्वाचन किया गया। देश भर से आये प्रतिनिधियों ने निर्वाचन अधिकारी अखिल भारतीय संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी की उपस्थिति में के. साई रेड्डी तेलंगाना को अखिल भारतीय अध्यक्ष व उड़ीसा के मोहिनी मोहन मिश्रा को अखिल भारतीय महामंत्री घोषित किया गया। अध्यक्ष व महामंत्री द्वारा घोषित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष टी पेरूमल, राम भरोस वासोतिया, विशाल चंद्राकर, सुशीला विशनोई को चुना गया।

अखिल भारतीय मंत्री बाबू भाई पटेल, डॉ सोमदेव शर्मा, भानु थापा, वीणा सतीश कोषाध्यक्ष युगलकिशोर मिश्र, संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी, सह संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह, जैविक प्रमुख नाना आखरे, महिला संयोजिका मंजू दीक्षित, कार्यालय प्रमुख चंद्रशेखर जी, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटैल को घोषित किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में बद्रीनारायण चौधरी, आई एन बसवेगौड़ा, हुकुमचंद पाटीदार, धर्मपाल सिंह ठाकुर, ई नारायण कुट्टी, रतन लाल डागा, प्रमोद चौधरी, कुमार स्वामी, मणिलाल लबाना, भगतराम पटियाल, भवन विक्रम डबराल, कुरूसार तिमुंग, इंदूभूषण जी, हरपाल सिंह डागर, डॉ मकरंद करकरे, सर्वजीत सिंह, कैलाश गिंदौलिया, पूरनचंद, प्रशांत खाखा, केदार मिश्र, कल्याण कुमार मंडल, श्रीधर रेड्डी, सुरेश चंद्रवंशी, दादा लाड, तकाली तामुल, कपिला मुठे, चंद्रकला चौहान, चंद्रकात गौर, खेलन सहारे, प्रकाशनारायण तिवारी नियुक्त किये गये। समापन सत्र को संबोधित करते हुये अखिल भारतीय संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी ने कहा कि 2047 की विकसित भारत की संकल्पना को पूर्ण करने के लिये गौ कृषि वाणिज्यम् के साथ कृषि अनुकूल तकनीकी को अपनाकर आगे बढ़ने की जरूरत है। देश की अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा हिस्सा कृषि का है इसलिये समग्र विकसित भारत के निर्माण में कृषि व किसान पर बड़ा उत्तरदायित्व है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे लिये देश हित की चौखट पर किसान हित है। हम भाषावाद, जातिवाद, प्रांतवाद से दूर है क्योंकि हम भारत माता की जय बोलते हैं। अगले तीन वर्ष का रोडमैप तैयार कर किसान संघ को काम करना होगा।

सिंधी मेला समिति की बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर की चर्चा

भोपाल। सिंधी मेला समिति द्वारा रविवार को कबीर कुटिया में मेला समिति के सदस्यों के साथ एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य समिति द्वारा आने वाले समय में आयोजित होने वाले सामाजिक कार्यक्रमों की रूप रेखा तैयार करना था। इस बैठक में समिति द्वारा 16 मार्च को होली मिलन समारोह एवं पारिवारिक पिकनिक, 23 मार्च को शहीद हेमू कलानी की जन्मदिन एवं भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव चेतीचांद पर युवाओं के लिए 5 किलोमीटर तक की सिंधी मैराथान एवं 12 व 13 अप्रैल को दो दिवसीय पारिवारिक सिन्धी मेले एवं सिंधी स्पोर्ट्स मेनिया जो कि मई में होने के विषय को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सिंधी मेला समिति के सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के लिए समाज के सभी वरिष्ठ जानों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए और अपनी अपनी राय दी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी, महासचिव नरेश तलरेजा, सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष किशोर तनवानी, राजकुमार वाधवानी, राम आसुदानी, कपिल भाटिया, अमर दावानी, दीपक राजानी, महेश बजाज. नरेश गांगुली, हीरो हिंदू, सुनील मंगवानी, अशोक माता,श्रीमती माया पंजवानी, श्रीमती सीमा सबनानी, भावना जगवानी, सिया आसुदानी, पूजा भाटिया, चेतना वाधवानी सहित समाज के गणमान्य नागरिक सहित सिंधी मेला समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संत गाडगे जयंती पर समाजसेवियों का किया सम्मान

भोपाल। संत गाडगे की 149 वी जयंती पर गुरु नानक मंडल के तत्वाधान में मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा और संयोजक मुकेश सोलंकी ने चित्र पर माल्यार्पण कर उपस्थित जनों के साथ श्रद्धापूर्वक नमन किया इस अवसर पर कुकरेजा ने संत गाडगे के व्यक्तित्व और कृतित्व का वर्णन किया अतिथि भगवान दास ढालिया ने संत जी को कर्मयोगी और सामाजिक सद्भावना और स्वच्छता के जनक के रूप में उनके किए कार्यों को याद किया इस अवसर पर संत गाडगे के आदर्शों पर समाज में कार्य कर रहे 11 समाजसेवियों का शाल श्रीफल संत गाडगे का चित्र देकर सम्मान किया इस अवसर पर महेश मकवाना, सुनील सराठे, राजा शर्मा, महेश मालवीय, प्रशांत भूरा पारोचे,संदीप कल्याणे, दीपचंद तिवारी आदि उपस्थित थे

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

अनंत संभावनाएं

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
के दूरदर्शी नेतृत्व में

देश का हृदय प्रदेश लिख रहा
विकास की नई गाथा

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
उद्घाटन

प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D-11195/24

CII
Confederation of Indian Industry

24 फरवरी, 2025 | प्रातः 10:00
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

EY
Shape the future with confidence

सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
DD News
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @JansamparkMP
JansamparkMP
www.investmp.in

रेखा सरकार के सामने ढेर सारी चुनौतियां यमुना सफाई एक बहुप्रचारित मुद्दा

दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की कमान एक महिला को मिली है, लेकिन भाजपा ने इस बार खासी सीटें जीतने के बाद और इस पद के लिए कई दावेदारियों और जद्दोजहद की खबरों के बीच जिस तरह रेखा गुप्ता को यह जिम्मेदारी सौंपी है, यह अपने आप में एक अहम फैसला है।

दिल्ली में गुरुवार को मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता के शपथ लेने के बाद यह साफ हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी एक स्पष्ट संदेश के साथ काम करना चाहती है। इस बात पर राजनीतिक गलियारों में जरूर सुगबुगाहट रही कि दिल्ली विधानसभा के चुनावी नतीजों के बाद मुख्यमंत्री पद पर चुने गए व्यक्ति की घोषणा करने में ग्यारह दिन क्यों लग गए। सतह पर इस पद के लिए खींचतान की चर्चा रही, मगर ऐसा लगता है कि रेखा गुप्ता की अब तक की राजनीतिक भूमिका को देखते हुए उनके नाम पर सहमति बनाने में पार्टी को ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ी। जो हो, अब मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही रेखा गुप्ता के सामने जितनी बड़ी चुनौती इस जिम्मेदारी के निर्वहन की है, उसी के समांतर जनता की नजर उन वादों को पूरा किए जाने पर भी रहेगी, जो चुनावों के दौरान भाजपा की ओर से किए गए थे।

गौरतलब है कि दिल्ली चुनावों के दौरान यमुना का पानी और उसकी सफाई एक बहुप्रचारित मुद्दा बनी थी। आरोप-प्रत्यारोप के बीच हकीकत यह है कि यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने और उसकी सफाई के मसले पर दशकों से राजनीति होती रही है। अमूमन हर पार्टी ने सत्ता मिलने पर यमुना को स्वच्छ बनाने के बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन आज भी यह नदी बेहद दयनीय हालत में है और जिसका पानी नहाने लायक भी नहीं है।

यह देखने की जरूरत होगी कि दिल्ली की नई सरकार यमुना को एक स्वच्छ नदी के रूप में जीवन देने के लिए कितनी ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम कर पाती है। इसके अलावा, पूर्व सरकार की ओर से जनता के लिए चलाए गए कल्याणकारी कार्यक्रम, स्कूली शिक्षा, भ्रष्टाचार पर रोक, आबकारी नीति, दिल्ली में भयावह स्तर तक के प्रदूषण और बुनियादी ढांचे को दुरुस्त करने जैसी चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं, जिन पर विपक्ष के रूप में कभी भाजपा सवाल उठाती थी और अब आम आदमी पार्टी अपनी मजबूत भूमिका में हमेशा तैयार दिखेगी।

मप्र में आर्थिक, सामाजिक, औद्योगिक क्रांति का स्वर्णिम अध्याय बनेगा

(अमिताभ पाण्डेय)

दुनिया भर में भारत की पहचान को अधिक प्रभावी बनाने हेतु संकल्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांव ,गरीब, युवा, किसान ,नारी शक्ति को अधिक सशक्त बनाना चाहते हैं। उनके नेतृत्व में केन्द्र सरकार अनेक कल्याणकारी योजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन कर रही है। श्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार विभिन्न राज्यों में औद्योगिक विकास के लिए लगातार काम कर रही है। हमारे देश का हर राज्य समृद्ध हो ।

हर नागरिक विकास की मुख्य धारा में शामिल हो।

समाज के हर वर्ग को प्रगति के अवसर मिले ।

इस उद्देश्य के लिए केंद्र और राज्यों की सरकार बेहतर समन्वय के साथ नई-नई योजनाओं से आमजन को लाभान्वित कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में 24 - 25 फरवरी 2025 को होने जा रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिति ऐसा आयोजन है जिसकी चर्चा आने वाले कई वर्षों तक सामाजिक- राजनीतिक- प्रशासनिक - औद्योगिक गलियारों में होती रहेगी ।

इसका कारण यह है कि यह समिट मध्य प्रदेश के विकास में नए अध्याय जोड़ेगी । निवेशकों के सहयोग से औद्योगिक विकास और रोजगार में बहुत वृद्धि होगी । अपना एम पी , अपना मध्य प्रदेश , जो कि धर्म- संस्कृति- इतिहास- पर्यटन के लिए देश -दुनिया में प्रसिद्ध है ।

उसकी पहचान अब राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय स्तर के औद्योगिक संस्थानों वाले प्रदेश के रूप में भी बढ़ेगी। यहां आने वाले निवेशक बड़े-बड़े औद्योगिक संस्थानों की स्थापना करने को तैयार हैं ।

इससे प्रदेश में औद्योगिक क्रांति आएगी

आयात - निर्यात बढ़ने से अर्थव्यवस्था अधिक मजबूत होगी। प्रदेश में विकास के नए कीर्तिमान बनेंगे।उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन की उद्योगों के लिए हितकारी नीतियों के कारण निवेशकों की रुचि यहां उद्योगों की स्थापना करने में लगातार बढ़ रही है ।ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए मध्य प्रदेश तैयार है ।प्रधानमंत्री और देश-विदेश से आ रहे निवेशकों के लिए भोपाल शहर ऐसा सजाया गया है कि इस शहर की सुंदरता को यहां आने वाले मेहमान बरसों - बरस याद रखेंगे।

मेहमानों की खातिरदारी के पूरे इंतजाम हैं

उन्हें खिलाने - पिलाने, शहर में और प्रदेश में घूमने - घुमाने के लिए शानदार व्यवस्था की गई है।निवेशकों के स्वागत, सुविधा का पूरा ध्यान सरकार को है।समाज में हर वर्ग से जुड़े लोग भी मेहमाननवाजी में यथासंभव सहयोग कर रहे हैं।भोपाल शहर की जनता ग्लोबल इन्वेस्टर्स सबमिट में आने वाले मेहमानों का स्वागत करने को तैयार है। यह मानना चाहिए कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के परिसर में प्राकृतिक वातावरण के बीच , बड़े तालाब के किनारे होने वाले इस आयोजन की मधुर स्मृतियां मेहमानों के दिल-दिमाग पर हमेशा के लिए जम जाएगी।आयोजन के दौरान प्रदर्शनी के साथ ही आटो एक्सपो भी होगा. ऑटो एक्स्पो से लेकर रिन्यूअल एनर्जी सहित विविध विषयों पर केन्द्रित प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहेगी। ऑटो मोबिलिटी एक्सपो होगा में अलग-अलग वाहन कंपनियों के नये मॉडल की गाड़ियां होंगी। भविष्य में संभावित गाडियों की जानकारी भी दी जाएगी। प्रदर्शनी के माध्यम से निवेशकों को नवाचारों से अवगत कराया जाएगा। यहां यह बताना जरूरी होगा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में सरकार 6 सेक्टर्स पर ध्यान केंद्रित कर रही है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि , शहरी विकास, पर्यटन, खनन, रिन्यूएबल एनर्जी, आईटी, और एमएसएमई सेक्टर में अधिक से अधिक निवेश हो , इसके लिए निवेशकों को तैयार किया जाएगा। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से मध्यप्रदेश शासन ने निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए 20 से अधिक नीतियों को तैयार किया है।

इनके बारे में निवेशकों को विस्तार से बताया जाएगा

इन नियम - नीतियों से निवेशकों को उद्योग स्थापित करने में सुविधा होगी और उद्योग व्यापार के रास्ते सुगम होंगे।

अधिकारिक सूत्र बताते हैं कि मध्यप्रदेश अपने कारोबार सुगमता (ई ओ डी बी) इकोसिस्टम को बेहतर बनाने में लगातार अग्रणी रहा है।

अपने प्रगतिशील सुधारों और कुशल शासन के लिए पहचाने जाने वाले राज्य को बिजनेस रिफॉर्म्स एक्शन प्लान (बीआर ए पी) 2022 रैंकिंग में ÷ शीर्ष उपलब्धि प्राप्त कर्ताओं ÷ में स्थान दिया गया है। यह पहल मध्यप्रदेश की व्यापार के अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं.उद्योगों के लिए सहजता और सरलता का माहौल बनाने के क्रम में ही 37 विभागों में 2 हजार 483 अनुपालन कम किए गए हैं। इसके साथ ही कानूनी सुधार के अंतर्गत 920 पुराने अधिनियमों को निरस्त किया गया और 67 प्रावधानों को अपराध मुक्त किया गया है।गौरतलब है कि मध्यप्रदेश भारत की औद्योगिक क्रांति में एक महत्वपूर्ण राज्य के रूप में उभर रहा है।

प्रदेश में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, एक संपन्न प्रतिभा पूल और दूरदर्शी नीतियां हैं।

आईटी, आई टी ई एस और ई एस डी एम निवेश प्रोत्साहन नीति 2023 के साथ मध्यप्रदेश मजबूत प्रोत्साहन, सुव्यवस्थित अनुमोदन और नवाचार के लिए एक इकोसिस्टम प्रदान करके वैश्विक निवेशकों को आकर्षित कर रहा है ।मध्यप्रदेश को भारत का हृदय प्रदेश माना जाता है ।इस राज्य में 3 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, 2 ज्योतिर्लिंग, 12 राष्ट्रीय उद्यान है।इस राज्य की पहचान बाघ राज्य, गिद्ध राज्य, तेंदुआ राज्य, घड़ियाल राज्य और चीता राज्य के रूप में भी है क्योंकि यहाँ इन प्रजातियों की सबसे अधिक आबादी यहां निवास करती है। उज्जैन में महाकाल लोक के विकास ने सबसे अधिक पर्यटकों को आकर्षित किया है। वहां आने वाले पर्यटकों की संख्या वर्ष 2021 में 9.6 लाख थी जो कि वर्ष 2022 में बढ़कर 1 करोड़ से अधिक हो गई है।

यह राज्य फिल्मकारों के लिये भी एक पसंदीदा स्थान बन गया है।

अब तक प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर 400 से अधिक फिल्में बन चुकी हैं।

मध्यप्रदेश देश के शहरी परिवर्तन में एक अग्रणी राज्य है. राज्य रणनीतिक निवेश, सतत विकास और अत्याधुनिक डिजिटल गवर्नेंस का संयोजन कर रहा है। 72 हजार करोड़ रुपए (8.37 बिलियन यू एस डॉलर) की चल रही शहरी परियोजनाओं और 88 हजार करोड़ रुपए (10.23 बिलियन यू एस डॉलर) की आगे आने वाली परियोजनाओं के साथ राज्य तेजी से अपने बुनियादी ढांचे, आवास और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स का विस्तार कर रहा है।

सात स्मार्ट सिटी, विश्व स्तरीय कनेक्टिविटी और प्रगतिशील शहरी नीतियों के साथ मध्यप्रदेश निवेशकों और डेवलपर्स के लिए एक बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करता है।

स्वच्छ भारत मिशन और स्मार्ट सिटी रैंकिंग में अग्रणी राज्य के रूप में मध्यप्रदेश भविष्य के लिए तैयार निवेश-अनुकूल शहर बना रहा है।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश चौथे स्थान पर है।

देश के सौर ऊर्जा उत्पादन में मध्यप्रदेश 8.2 प्रतिशत का योगदान देता है ।प्रदेश के रीवा में स्थित दुनिया का सबसे बड़ा सिंगल-साइट सोलर प्लांट (750 मेगावाट)दिल्ली मेट्रो को बिजली प्रदान करता है। राज्य का ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्लांट भारत का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्लांट है। वही सांची शहर को देश के पहले सोलर- शहर होने का गौरव मिला है। देश का पहला पावर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन नर्मदापुरम के मोहासा बाबई में 884 एकड़ में विकसित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में औद्योगिक विवाद की संख्या न्यूनतम है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने श्रम संबंधी विवादों के समाधान के लिए देश में 'श्रम मामलों की प्रबंधन प्रणाली' लागू की है।राज्य शासन की नीतियां उद्योग जगत के लिए हितकारी हैं और विविध क्षेत्रों में निवेश के लिए अनूकूल अवसर उपलब्ध करवाती है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 का यह आयोजन प्रदेशवासियों की उम्मीदों को साकार करेगा । खुशहाली को बढ़ाएगा , ऐसा विश्वास है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, संपर्क 9424466269)

ज़हर उगलने वाले क्या जानें उर्दू की मिठास

तनवीर जाफ़री

आपने छात्र जीवन में उर्दू कभी भी मेरा विषय नहीं रहा। हाँ हिंदी में साहित्य रत्न होने के नाते मेरा सबसे प्रिय विषय हमेशा हिंदी ही रहा। और आज भी मैं प्रायः हिंदी में ही लिखता पढता हूँ। परन्तु शेर-ो-शायरी का शौक़ बचपन से ही था। इसके तथा कुछ पारिवारिक व सामाजिक परिवेश के चलते उर्दू से ख़ासकर उसके शब्दों के उच्चारण के आकर्षक तौर तरीक़ों से बहुत प्रभावित रहा। और जब बचपन और जवानी में बड़े मुशायरों में शिरकत करने का मौक़ा मिलता और कुंवर महेंद्र सिंह बेदी सहर जैसे अज़ीम शायर को यह कहते सुनता कि उन्हें उर्दू ज़बान से मुहब्बत है ,इश्क़ है क्योंकि यह जुबान आब ए हयात(अमृत) पीकर आई है तो यक़ीनन यह एहसास ज़रूर होता कि आख़िर कुछ बात तो है कि भारत में पैदा होने वाली तथा फ़ारसी व हिंदी के मिश्रण से तैयार उर्दू को हमारे देश के क्रांतिकारियों से लेकर बड़े से बड़े कवियों,साहित्यकारों,राज नेताओं,बुद्धिजीवियों ने न केवल अपनाया बल्कि उसे पाला पोसा और संवारा भी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी उर्दू को भारतीय भाषा कहते थे।

मुगल शासक भी उर्दू भाषा को हिंदी या हिंदवी कहते थे। परन्तु चूँकि उर्दू के लिखने में फारसी लिपि का उपयोग होता है इसलिये लोग इसे मुसलमानों की भाषा कहने लगे। शायद यही वजह है कि आज हिंदी व उर्दू भाषा रुपी दो बहनें एक दूसरे में इतनी रम चुकी हैं कि यदि आप इन दोनों को एक दूसरे से अलग भी करना चाहें तो संभव नहीं। उदाहरण के तौर पर केवल चंद ऐसे अल्फ़ाज़ पेश हैं जो आम तौर पर हिंदी भाषा में बोले जाते हैं परन्तु दरअसल इन शब्दों का स्रोत अथवा उद्भव फ़ारसी अथवा उर्दू से ही हुआ है। जैसे हिन्दोस्ताँ, अदालत, वकील, इंसाफ़, मुंसिफ़, पाएजामा,पेशाब,पंजाब,दरवाज़ा, ख़िलाफ़,मुख़ालिफ़त शराब, किताब, इंक़ेलाब ज़िंदाबाद, शाही (स्नान), डाकख़ाना, दवा, इलाज, वज़ीर, शाह, बादशाह, हकीम,हाकिम,हुक्म,सब्ज़ी, मकान जैसे अनगिनत शब्द हैं जो प्रत्येक भारतीय रोज़ाना दिन में कई कई बार इस्तेमाल करता है परन्तु शायद उसे इस बात का एहसास भी नहीं होता कि वह उर्दू के शब्द बोल रहा है।

इसके बावजूद उर्दू जैसे मीठी व अदब साहित्य से सम्बन्ध रखने वाली भाषा का हमारे देश में दशकों से विरोध होता आ रहा है। विरोध तो समय समय पर अंग्रेज़ी का भी हुआ परन्तु दक्षिण भारत व पूर्वोत्तर में अंग्रेज़ी की व्यापक स्वीकार्यता व उसे मिलने वाले समर्थन के चलते राष्ट्रीय स्तर पर उसका विरोध नहीं हो सका। परन्तु उर्दू का विरोध करने का ठेका उसी विचारधारा के लोगों के पास है जो देश को एक रंग में रंगना चाहते हैं। बड़ी आसानी से इस भाषा को मुसलमानों की भाषा या विदेशी भाषा बताते हुये उर्दू का विरोध शुरू हो जाता है। जैसा कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में बजट सत्र के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुंह से सुनने को मिला। मुख्यमंत्री ने सदन में विपक्ष पर हमलावर होते हुये यह कहा कि - ये अपने बच्चों को अंग्रेज़ी स्कूलों में पढ़ाएंगे और दूसरों के बच्चों को उर्दू पढ़ने को प्रेरित करेंगे। ये उन्हें मौलवी, कठमुल्ला बनने को प्रेरित करेंगे? यह नाइंसाफ़ी है, यह नहीं चलेगा। योगी आदित्यनाथ के इस बयान से यह सवाल तो ज़रूर खड़ा होता है कि क्या उर्दू को जानने वालों का, उर्दू पढ़ने या पढ़ने वालों का मक़सद केवल मौलवी बनना बनाना होता है ? क्या उर्दू पढ़कर लोग कठमुल्ला बन जाते हैं ?

यदि ऐसा होता तो भारत में उर्दू की पहली ग़ज़ल लिखने वाले कश्मीरी पंडित,पंडित चंद्र भान ब्राह्मण न होते। मुंशी नवल किशोर,दया नारायण निगम,जगत मोहन लाल रवां ,नौबत राय नज़र ,मुंशी महाराज बहादुर बर्क़ , नाथ मदन सहाय ,पंडित दया शंकर कौर नसीम,पंडित रतन नाथ सरशार,राम कृष्ण मुज़तर, जमुना दास अख़्तर , राम लाल, डॉ. जगन्नाथ आज़ाद ,कृष्ण बिहारी नूर,संजय मिश्रा शौक़ ,राम प्रकाश 'बेखुद', खुशबीर सिंह 'शाद' ,मनीष शुक्ल,आनंद मोहन ज़ुत्शी, गुलज़ार देहलवी, कृष्ण चंदर,रतन सिंह, भारत भूषण पंत और मलिक राम जैसे हिन्दू उर्दू प्रेमियों के अनगिनत नाम हैं जिनके बिना भारत में उर्दू अदब का इतिहास लिखा जाना संभव ही नहीं है। सही मायने में तो इन लोगों के योगदान ने ही उर्दू को पूरे विश्व में समृद्ध बनाया। इनके अलावा शहीद व क्रन्तिकारी राम प्रसाद बिस्मिल,अशफ़ाक़ुल्लाह ख़ान,सुभाष चंद्र बोस,महात्मा गाँधी,पंडित जवाहरलाल नेहरू,रघुपति सहाय फ़िराक़,आनंद नारायण मुल्ला,ब्रज नारायण चकबस्त जैसे अनेक सम्मानित नाम हैं जिन्होंने उर्दू से व उसकी मिठास से प्यार किया। दरअसल उर्दू को प्यार करने व इसे प्रोत्साहित करने वाले वे लोग थे जिनके मस्तिष्क में नफ़रत वैमनस्य या कुंठा नहीं भरी थी। वह साहित्य के क़द्रदान लोग थे। वह उर्दू को हिंदी की छोटी बहन मानते थे। वह उर्दू को भारतीय भाषा मानते थे मुसलमानों की भाषा नहीं। वह लोग पूर्वाग्रही नहीं थे। समाज में प्यार व सद्भाव बांटते थे इसीलिये उन्होंने अपने संवाद व अपनी रचनाओं का माध्यम उर्दू रखा। मगर अफ़सोस की बात है कि देश इस समय ऐसे लोगों के हाथों में है जिन्हें अन्य धर्मों व जातियों से नफ़रत है, जिन्हें लोगों के निजी खान पान व पहनावे से नफ़रत है। जिन्हें क्षेत्र व भाषाओँ से विद्वेष है। आपसी प्यार मोहब्बत इन्हें अच्छा नहीं लगता। यही वजह है कि कहीं उर्दू बाज़ार का नाम बदल कर हिंदी बाज़ार कर दिया गया। उर्दू के प्रतीत होने वाले अनेक ज़िलों,शहरों,क़स्बों व रेल स्टेशंस के नाम बदल दिए गये हैं। जैसे फ़ैज़ाबाद,मुग़लसराय,इलाहबाद जैसे अनेक प्रसिद्ध नाम इसी नफ़रती सियासत के कारण इतिहास बन चुके हैं। ऐसे ही संकीर्ण मानसिकता के लोगों की नज़रों में उर्दू पढ़ने वाला सिर्फ़ मौलवी बनता है वह भी कठमुल्ला ? कहना ग़लत नहीं होगा कि ऐसी ही संकीर्ण मानसिकता के लोग हमारे देश की सांझी तहज़ीब के दुश्मन हैं। इन्हें मुसलमानों से नफ़रत,मस्जिदों से नफ़रत,मदरसे इन्हें नहीं भाते,उर्दू शब्दों वाले नामों से इन्हें नफ़रत। क़ब्रिस्तान और शमशान में भेद करना इन संकीर्ण मानसिकता वादियों का व्यसन। धर्मों,जातियों व भाषाओं का विरोध करने वाले यह लोग इतने शातिर हैं कि यदि कोई इन संकीर्ण अतिवादियों का विरोध करे तो यह उसे विधर्मी,देशद्रोही,राष्ट्र विरोधी कुछ भी कह डालते हैं। क्योंकि दुर्भाग्यवश देश की सत्ता आज विषवमन करने वाले ऐसे लोगों के हाथों में है जो उर्दू की मिठास व उसके एहसास व प्रभाव को समझ पाने की क्षमता क़तई नहीं रखते।

अब दिल्ली में सरकारें नहीं टकराएगी

राकेश दुबे

भारतीय जनता पार्टी दिल्ली सरकार में 27 वर्ष बाद लौटकर प्रसन्न है, उसके सामने अब चुनौतियों का पहाड़ भी खड़ा है । आम आदमी पार्टी की 10 साल की सरकार के बाद दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों में से 48 पर धमाकेदार जीत मिलना बताता है कि मतदाताओं को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके मंत्रिमंडल से कितनी अधिक उम्मीदें हैं। वह दिल्ली के मुख्यमंत्री का पद संभालने वाली चौथी महिला हैं। चूंकि गुप्ता उसी भाजपा की सदस्य हैं, जिसकी केंद्र में भी सरकार है, इसलिए माना जा रहा है कि उनके कार्यकाल में निर्वाचित सरकार और केंद्र सरकार के प्रतिनिधि उप-राज्यपाल के बीच टकराव की स्थिति नहीं बनेगी।

वर्ष 2023 में बने एक केंद्रीय कानून ने उप-राज्यपाल के विवेकाधीन अधिकारों में भारी इजाफा किया था। माना जा रहा है कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच यह नया तालमेल शासन के मोर्चे पर बहुत अधिक लाभ प्रदान करने वाला साबित होगा। नई सरकार को दो क्षेत्रों की समस्याओं पर ध्यान देना होगा-मध्य वर्ग और गरीब। आप के उभार में कल्याण योजनाओं का अहम योगदान था। सरकारी स्कूलों में किफायती और गुणवत्ता वाली शिक्षा तथा मोहल्ला क्लिनिक के जरिये सस्ते इलाज की सुविधा प्रदान करना उसकी मुख्य उपलब्धियां रही हैं। मुफ्त बिजली-पानी गरीबों के लिए थे मगर मध्य वर्ग को भी उनका फायदा मिला। यह तरीका अपनाने और शुरुआती वर्षों में इन मोर्चों पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के खजाने में पड़ी अधिशेष रकम का भरपूर इस्तेमाल किया। परंतु कल्याण योजनाओं पर खर्च तथा बढ़ते राजस्व व्यय ने वित्तीय स्थिति पर बहुत बोझ डाला और नई शराब लाइसेंसिंग तथा आबकारी नीति से राजस्व बढ़ने की उम्मीद भी तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तथा आप के अन्य वरिष्ठ मंत्रियों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की भेंट चढ़ गई।

बिजली, परिवहन, स्वास्थ्य और कानून विभागों से अतिरिक्त मांग बताती है कि 2024-25 के बजट में घाटा हो सकता है। सामाजिक बुनियादी ढांचे में निवेश ठहरने और शहरी प्रदूषण बहुत अधिक बढ़ जाने के कारण जनता का आप से मोहभंग हो गया। भाजपा भी मुफ्त की सौगातों, स्वास्थ्य सुविधाओं, रोजगार और बुनियादी ढांचे से जुड़े वादों के बल पर सत्ता में लौटी है। गुप्ता अपनी सरकार का कम से कम एक चुनावी वादा पूरा करने की घोषणा पहले ही कर चुकी हैं। आम आदमी पार्टी के 2,100 रुपये प्रतिमाह की काट में भाजपा ने दिल्ली की महिलाओं को 2,500 रुपये महीने देने का वादा किया था। इसकी पहली किस्त 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दी जाएगी। देखना यह है कि उनकी सरकार इसके लिए संसाधन कहां से जुटाएगी?

दिल्ली के मतदाता पिछली सरकार के समय हुई राजनीति से उलट शांत और सार्थक शासन चाहते हैं। उदाहरण के लिए शहर की महिलाओं को मासिक आर्थिक मदद अच्छी लग सकती है मगर वे घर से बाहर सुरक्षा को अधिक तवज्जो देंगी। इस दिशा में काम करने के लिए दिल्ली पुलिस के साथ तालमेल करने का राज्य सरकार के पास अच्छा अवसर है। दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आती है। इसी तरह अब राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में एक ही पार्टी की सरकार हैं तो राज्य के पास जलापूर्ति सुधारने और नदी प्रदूषण से निपटने का भी दुर्लभ अवसर है। दिल्ली और हरियाणा इस पर हमेशा टकराते रहे हैं। वायु प्रदूषण ने भी दुनिया भर में दिल्ली की प्रतिष्ठा धूमिल की है मगर इस समस्या को भी हल किया जा सकता है क्योंकि इससे जुड़ी राज्य सरकारों में राजनीतिक एकता है। संक्षेप में कहें तो दिल्ली की नई सरकार के पास शासन में नाकाम रहने पर राजनीति का बहाना बनाने की संभावना बहुत कम है और अच्छा प्रदर्शन करने की उसकी चुनौती बहुत बढ़ गई है।

सामाजिक न्याय की पिच पर नई सोशल इंजीनियरिंग अपेक्षित

ललित गर्ग

विश्व सामाजिक न्याय दिवस सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने की आवश्यकता को पहचानने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है, जिसमें गरीबी, लैंगिक असमानता, महंगाई, महिला अत्याचार, बेरोजगारी, मानवाधिकार और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों से निपटने के प्रयास शामिल हैं। यह दिवस प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाता है और यह आयोजन हर साल हमें अधिक निष्पक्ष, अधिक न्यायसंगत, अधिक समान, अधिक मानवीय समाज बनाने की आवश्यकता की याद दिलाना। इसका उद्देश्य हमें यह पहचानने में मदद करना है कि मनुष्य के रूप में हमने जितनी भी प्रगति की है, उसके बावजूद कई बाधाएं अधिसंख्य लोगों को एक निष्पक्ष एवं समानतापूर्ण जीवन जीने से रोकती हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है 'समावेश को सशक्त बनाना-सामाजिक न्याय के लिए अंतराल को पाटना'। थीम प्रणालीगत असमानता को दूर करने में समावेशी नीतियों, निरंतर सीखने और सामाजिक सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है। इसे पहली बार साल 2009 में मनाया गया था। दुनिया में बढ़ती समस्याओं को देखते हुए आज सामाजिक न्याय की जितनी जरूरत है उतनी पहले शायद पहले नहीं थी। दुनिया में राजनैतिक विभाजन पहले से अधिक हो रहा है एवं समुदायों में असुरक्षा ज्यादा बढ़ती दिख रही है। हम सब मिलकर जाति-धर्म, गरीबी-अमीरी, वंश-वर्ग आदि सारे भेदभाव को भुलाकर एक स्वस्थ एवं आदर्श समाज की स्थापना करें और मानव अधिकारों का सम्मान करें, यही इस दिवस का मूल उद्देश्य है। सामाजिक न्याय की पिच पर ही नई सोशल इंजीनियरिंग तैयार हो सकती है।

यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है, जो आज अधिक प्रासंगिक है। इस संदर्भ में निष्पक्षता का अर्थ है शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा, न्याय और अन्य के समान मानकों तक समान पहुंच। सभी की इन चीजों के समान मानकों तक समान पहुंच होनी चाहिए, चाहे उनकी जाति, धर्म, लैंगिकता, लिंग या वर्ग कुछ भी हो। विश्व सामाजिक न्याय का मतलब है, ऐसा समाज बनाना जहां सभी लोगों को समान अधिकार, अवसर और व्यवहार मिलें। सामाजिक न्याय के ज़रिए समाज की आर्थिक और सामाजिक विषमताओं को कम करने की कोशिश की जाती है और सभी नागरिकों को सामाजिक समानता देने के प्रयास किये जाते हैं। समाज की सामान्य भलाई के लिए दूसरों की देखभाल एवं सहायता करने की ज़िम्मेदारी और सभी को अपनी ज़िंदगी में सुधार करने के लिए समान अवसर मिले, इसके लिये यह दिवस एक आह्वान है। सामाजिक न्याय की आकांक्षा, यह सुनिश्चित करती है कि हर कामकाजी पुरुष और महिला को अपने योगदान के मुताबिक उचित हिस्सा मिले, जो सामाजिक न्याय, सामाजिक एकजुटता, आर्थिक विकास, और मानव प्रगति के लिए ज़रूरी है।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस को सफल बनाने के लिए कई देश एक साथ मिलकर बेरोजगारी, गरीबी, जाति भेदभाव, लिंग और धर्म के नाम पर बंटे लोगों को एकजुट करने की कोशिश करते हैं। भारत में भी सदियों से लोगों को समान अधिकार देने का विधान रहा है। इसके लिए भारतीय संविधान में सामाजिक असमानता को खत्म करने के लिए कई प्रावधान हैं। समाज में यह जागरूकता फैलाने की जरूरत है कि सभी एक हैं और किसी में भी कोई भेदभाव नहीं देखना चाहिए। भारत सरकार भी कई योजनाएं चला रही हैं। एक विचार के रूप में सामाजिक न्याय की बुनियाद सभी मनुष्यों को समान मानने के आग्रह पर आधारित है। इसके मुताबिक किसी के साथ सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। हर किसी के पास इतने न्यूनतम संसाधन होने चाहिए कि वे 'उत्तम जीवन' की अपनी संकल्पना को धरती पर उतार पाएँ। विकसित हों या विकासशील, दोनों ही तरह के देशों में राजनीतिक सिद्धांत के दायरे में सामाजिक न्याय की इस अवधारणा और उससे जुड़ी अभिव्यक्तियों का प्रमुखता से प्रयोग किया जाता है। भारत जैसे देश में सामाजिक न्याय का नारा वंचित समूहों की राजनीतिक गोलबंदी का एक प्रमुख आधार रहा है। उदारतावादी मानकीय राजनीतिक सिद्धांत में उदारतावादी-समतावाद से आगे बढ़ते हुए सामाजिक न्याय के सिद्धांतीकरण में कई आयाम जुड़ते गये हैं। मसलन, अल्पसंख्यक अधिकार, बहुसंस्कृतिवाद, मूल निवासियों के अधिकार आदि। इसी तरह, नारीवाद के दायरे में स्त्रियों के अधिकारों को लेकर भी विभिन्न स्तरों पर सिद्धांतीकरण हुआ है और स्त्री-सशक्तीकरण के मुद्दों को उनके सामाजिक न्याय से जोड़ कर देखा जाने लगा है।

अनेक असमानताओं, आग्रहों, समस्याओं के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में सामाजिक न्याय के उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, नयी-नयी योजनाओं को लागू किया है। मोदी सरकार का सामाजिक न्याय का तरीका समाज में विभेद करने का नहीं है, बल्कि समाज को जोड़ने का है। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को समाज के वंचित एवं हाशिए पर पड़े वर्गों जैसे अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, विकलांग व्यक्ति, वरिष्ठ नागरिक तथा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों आदि के कल्याण, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण का दायित्व सौंपा गया है। मोदी ने कहा भी है कि सामाजिक न्याय, तुष्टिकरण से नहीं, संतुष्टिकरण से आता है। सरकार के द्वारा कई योजनाएं के अंतर्गत लोगों को समान अधिकार देने की कोशिश की जा रही है। साथ ही समाज में व्याप्त असमानता, भेदभाव, ऊंचनीच को जड़ से समाप्त करते हुए इससे समस्त समाज का एकसाथ विकास का प्रयास हो रहा है। हम जिस लोकतंत्र में जी रहे हैं वह लोक-समानता का लोकतंत्र है या लोक-विभेद का? हम जो स्वतंत्रता भोग रहे हैं वह समानता की स्वतंत्रता है या अराजक एवं असमानता की? हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। नहीं तो फिर रह क्या जाएगा हमारे पास। टमाटर, प्याज के आसमान छूते भाव- प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक् समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके।

सरकारों के पास शक्ति के कई स्रोत है, लेकिन इस शक्ति से कितनों का कल्याण हो रहा है? कैसा विचित्र लोकतंत्र है जिसमें नेता एवं नौकरशाहों का एक संयुक्त संस्करण केवल इस बात के लिये बना है कि न्याय की मांग का जबाव कितने अन्यायपूर्ण तरीके से दिया जा सके। महंगाई के विरोध का जबाव महंगाई बढ़ा कर दो, रोजगार की मांग का जबाव नयी नौकरियों की बजाय नौकरियों में छंटनी करके दो, कानून व्यवस्था की मांग का जबाव विरोध को कुचल कर आंसू गैस, जल-तोप और लाटी-गोली से दो। नेता एवं नौकरशाह केवल खुद की ही न सोचें, अपने परिवार की ही न सोचें, जाति की ही न सोचें, पार्टी की ही न सोचें, राष्ट्र की भी सोचें, सम्पूर्ण मानवता की सोचें। क्या हम लोकतंत्र को अराजकता की ओर धकेलना चाह रहे हैं? नेतृत्व आज चुनौतीभरा अवश्य है, विकास का मंत्र भी आकर्षक है, लेकिन सबसे बड़ा विकास तभी संभव है जब जनता खुश रहे, निर्भार रहे, सुखी रहे और लगे कि यह जनता के सुख एवं समानता का लोकतंत्र है। ऐसा होने पर ही विश्व सामाजिक न्यास दिवस मनाने की सार्थकता होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

वी.एल. इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड को गुजरात में 41.92 करोड़ का जल अवसंरचना परियोजना का ऑर्डर मिला

मुंबई, एजेंसी। वी.एल. इन्फ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड (एनएसई कोड - वीएलआईएनएफआरए), जो जल आपूर्ति और सीवरेज अवसंरचना परियोजनाओं के निष्पादन में विशेषज्ञता रखता है, ने घोषणा की है कि गुजरात वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड से 41.92 करोड़ का एक महत्वपूर्ण कार्यादेश प्राप्त हुआ है। इस परियोजना को 18 महीनों के भीतर पूरा किया जाना है। यह अनुबंध अबदासा, कच्छ में अबदासा आरडब्ल्यूएसएस संवर्द्धन 2021-22 (नल से जल) परियोजना के तहत विभिन्न आकारों के पीवीसी/डीआई पाइपलाइनों की आपूर्ति, स्थापना, सम्पर्क, जोड़ने और कमीशनिंग के साथ-साथ अंडरग्राउंड संप, ईएसआर, आरसीसी पंप हाउस, यांत्रिक कार्य, आरसीसी कंपाउंड वॉल और आरसीसी अप्रोच रोड के निर्माण के लिए है। इस परियोजना पर टिप्पणी करते हुए, वी.एल. इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री राजगोपाल रेड्डी अण्णम रेड्डी ने कहा, गुजरात के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में योगदान देना हमारे लिए गर्व की बात है। इस प्रतिष्ठित परियोजना को प्राप्त करना हमारे कौशल और बड़े पैमाने पर जल आपूर्ति एवं सीवरेज परियोजनाओं को निष्पादित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम गुणवत्तापूर्ण समाधान प्रदान करने के लिए समर्पित हैं, जो भारत के जल उपलब्धता और शहरी बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के मिशन के अनुरूप हैं।

लैंक्सेस को सस्टेनेबिलिटी में मिली शानदार रेटिंग्स

मुंबई, एजेंसी। लैंक्सेस ने सस्टेनेबिलिटी की कई रेटिंग्स में शीर्ष स्थान अर्जित किये हैं। डॉव जोन्स सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स (डीजेएसआई) यूरोप में यह स्पेशियल्टी केमिकल्स कंपनी 100 में से 79 पॉइंट्स लाकर ''केमिकल्स'' कैटेगरी में अव्वल रही। डीजेएसआई वर्ल्ड में लैंक्सेस चौथे स्थान पर रही और उसने जलवायु रणनीति, जल, कॉर्पोरेट नैतिकता, मानव अधिकार एवं उत्पाद प्रबंधन के क्षेत्रों में विशेष रूप से अंक हासिल किये। नवंबर में रेटिंग एजेंसी एमएससीआई ईएसजी ने लैंक्सेस को लगातार चौथे वर्ष 'एए' रेटिंग दी। इस प्रकार यह स्पेशियल्टी केमिकल्स कंपनी ''कमोडिटी एण्ड डाइवर्सिफाइड केमिकल्स'' उद्योग में सबसे ज्यादा रेटेड में से एक बनी। एमएससीआई ईएसजी यह मूल्यांकन करती है कि कंपनियाँ कितनी अच्छी तरह से पर्यावरणीय, सामाजिक एवं गवर्नेंस (ईएसजी) जोखिमों का प्रबंधन करती हैं। नवंबर में ही रेटिंग एजेंसी आईएसएस ईएसजी ने लैंक्सेस की रेटिंग को+ से डी- के पैमाने पर बी- से क्कपर पहुँचा दिया और इसके साथ ही कंपनी की अग्रणी स्थिति की पुष्टि की। ऐसे में लैंक्सेस रसायनों के उद्योग की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग वाली कंपनियों में से एक बन गई। आईएसएस ईएसजी में हर उद्योग के लिये लगभग 100 संकेतकों का ध्यान रखा जाता है। इसके अलावा, लैंक्सेस को इकोवाडिस से गोल्ड-लेवल की सस्टेनेबिलिटी रेटिंग मिली। यह उपलब्धि इकोवाडिस द्वारा मूल्यांकित 100,000 से ज्यादा कपंनियों में से शीर्ष 5 प्रतिशत को मिलती है। इकोवाडिस रेटिंग का इस्तेमाल कर कंपनियाँ बिजनेस पार्टनर्स के सस्टेनेबिलिटी परफॉर्मेंस का मूल्यांकन करती हैं।

देव आईटी ने राज्य सभा सचिवालय से वर्क ऑर्डर प्राप्त किया

मुंबई, एजेंसी। देव इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड एक वैश्विक आईटी और आईटीईएस कंपनी जो क्लाउड सेवाएं, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, एंटरप्राइज एप्लिकेशन और मैनेज्ड आईटी सेवाएं प्रदान करती है, ने एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर और वेबसाइट डेवलपमेंट के लिए राज्य सभा सचिवालय से एक महत्वपूर्ण वर्क ऑर्डर प्राप्त किया है। 1.48 करोड़ रुपये मूल्य के इस अनुबंध में लगभग नौ महीने की अवधि में परियोजना के डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल हैं। दिल्ली में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के तहत कई पैनलबद्ध कंपनियों की उपस्थिति में, इस प्रतिष्ठित परियोजना के लिए चुना जाना एक सम्मान की बात है। यह देव आईटी की ई-गवर्नेंस क्षेत्र में एक विश्वसनीय प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में प्रतिष्ठा को और मजबूत करता है। यह परियोजना देव आईटी की ई-गवर्नेंस क्षेत्र में भागीदारी को बढ़ावा देती है। इस आदेश पर टिप्पणी करते हुए देव आईटी के संस्थापक और अध्यक्ष श्री प्रणव पंड्या ने कहा, राज्य सभा सचिवालय से यह प्रतिष्ठित आदेश प्राप्त करना हमारी अत्याधुनिक डिजिटल समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। दिल्ली में एनआईसी के तहत कई पैनलबद्ध कंपनियों में से देव आईटी का चयन हमारे विशेषज्ञता पर रखे गए विश्वास को दर्शाता है।

इलेक्रामा 2025: भारत के ऊर्जा भविष्य को मिली नई दिशा

ग्रेटर नोएडा एजेंसी। जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में अपनी यात्रा तेज कर रहा है और आत्मनिर्भर भारत के तहत एक वैश्विक विनिर्माण हब के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, वैसे-वैसे बिजली क्षेत्र की भूमिका आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने में और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। इस बदलते परिदृश्य में, आईईईएमए (इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन) ने आज ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिकल शो इलेक्रामा 2025 की भव्य शुरुआत की। इलेक्रामा के 16वें संस्करण में भारत की विद्युत और ऊर्जा तकनीकों में क्षमता प्रदर्शित की गई है, जिससे इसकी भूमिका एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में और मजबूत होती है। भारत के माननीय मिनिस्टर ऑफ पावर एंड हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स श्री मनोहर लाल खट्टर ने इस भव्य उद्घाटन की शोभा बढ़ाई और उन्होंने भारत के ऊर्जा से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और इस क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

सैमसंग के सबसे किफायती 5जी स्मार्टफोन गैलेक्सी एफ06 5जी की बिक्री शुरू

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रैंड, सैमसंग ने आज अपने सबसे किफायती 5जी स्मार्टफोन - गैलेक्सी एफ06 5जी की बिक्री शुरू करने की घोषणा की है। गैलेक्सी एफ06 5जी हाई-परफॉर्मेंस और स्टाइल के बेहतरीन मिक्स के साथ 5जी सेगमेंट में क्रांति लाने के लिए तैयार है। गैलेक्सी एफ06 5जी किफायती कीमत पर संपूर्ण 5जी अनुभव देगा, जिससे 5जी तकनीक ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ताओं तक पहुंच पाएगी और पूरे देश में इसके व्यापक रूप से अपनाए जाने में तेजी आएगी। गैलेक्सी एफ06 5जी सभी टेलीकॉम ऑपरेटरों के 12 5जी बैंड को सपोर्ट करता है। गैलेक्सी एफ06 5जी में 'रिपल ग्लो' फिनिश है जो हर मूवमेंट के साथ चमकती है और खूबसूरती और सॉफिस्टिकेशन का एहसास कराती है। 6.7 इंच के बड़े एचडी+ डिस्प्ले के साथ, गैलेक्सी एफ06 5जी उपभोक्ताओं को शानदार विजुअल और बेहतरीन व्यूइंग अनुभव प्रदान करता है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर सांप, छिपकलियों और मकड़ियों से भरे बैग के साथ 3 यात्री गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उस वक्त सभी की घिघ्घी बंध गई, जब बैग के भीतर नागराज कुंडली मारे बैठे दिखे. बैग के भीतर नागराज अकेले नहीं थे, बल्कि उनको कंपनी दे रहे थे नौ खतरनाक अजगर और अन्य 13 सांप. इस सांपों को देखकर कुछ लोग डर का पीछे भाग गए, तो कुछ लोग उत्सुकता से आगे बढ़ आए. देखते ही देखते पूरे एयरपोर्ट पर इन सांपों को लेकर हड़कंप मच गया. दरअसल, यह मामला आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल थ्री का है. एयरपोर्ट पर तैनात कस्टम एयर इंटेलिजेंस यूनिट को इंटेलिजेंस को इनपुट मिला था कि एक बैग में खतरनाक वन्य भरे हुए है. इनपुट के आधार पर तीन युवकों को ग्रीन जोन एरिया में जांच के लिए रोका गया. जांच के दौरान बैग को खोला गया. बैग के भीतर अगजर सहित कई प्रजाति के कुल 22 सांप भरे हुए थे. वहीं, सांपों की खबर लगते ही अन्य एआईयू अफसर भी मौके पर पहुंच गए. फिर पूरे एहतियात के साथ बैग की तलाशी शुरू हुई. तलाशी में बैग के भीतर से 5 कॉर्न स्नेक, 8 मिल्क स्नेक और 9 बॉल पायथन (अजगर) बरामद किए गए. बैग से 22 सांपों के अलावा अलग-अलग प्रजाति की 23 छिपकलियां भी बरामद की गई हैं. इन छिपकलियों में 4 बियर्ड ड्रेगन, 7 क्रेस्टेड गेको, 11 कैमरून ड्वार्फ गेको और एक गेको शामिल हैं. इतना हीं, बैग से 14 मिलीपेड और एक मकड़ी भी बरामद की गई हैं.

बैंकॉक से रची गई थी यह बड़ी साजिश: सीनियर कस्टम अधिकारी के अनुसार, खजरनाक वन्य जीवों की तस्करी की साजिश के मामले में गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी पैसेंजर भारतीय मूल के हैं. तीनों एयर इंडिया की फ्लाइट AI 303 से 23 फरवरी तड़के 1-35 बजे आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचे थे. यह फ्लाइट बैंकॉक से चलकर दिल्ली आती है. तीनों आरोपी पैसैंजर सांप सहित अन्य वन्य जीवों को किस मकसद से भारत लेकर आए थे, पूछताछ में पता लगाने की कोशिश की जा रही है.

फटाफट निपटा लें सारे काम, मार्च में 13 दिन बैंक बंद

नई दिल्ली। बैंक यूजर्स के लिए बड़ी खबर है! अगर आपके पास बैंक से जुड़ा कोई काम है, तो इसे जल्दी निपटा लें क्योंकि मार्च महीने में 13 दिन बैंक बंद रहने वाले हैं। इनमें रविवार, शनिवार (दूसरा और चौथा) और विभिन्न त्योहारों के कारण छुट्टियां शामिल हैं। बैंकों के बंद होने से चेकबुक, पासबुक जैसे बैंकिंग काम प्रभावित हो सकते हैं, लेकिन ऑनलाइन सेवाएं पूरी तरह से चालू रहेंगी। भारत में बैंक की छुट्टियां सरकारी अवकाश और राष्ट्रीय छुट्टियों के आधार पर तय होती हैं। जबकि राज्य सरकार की छुट्टियां अलग-अलग राज्य के हिसाब से होती हैं, केंद्र सरकार की छुट्टियां पूरे देश में एक जैसी रहती हैं। हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बैंकों में अवकाश होता है।

बाजार में फिर बिकवाली हावी, सेंसेक्स 733 अंक गिरकर 75 हजार के नीचे, निफ्टी भी कमजोर

मुंबई , एजेंसी। सोमवार को भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स लगातार पांचवें सत्र के लिए लाल निशान में खुले। यह गिरावट उपभोक्ता मांग में नरमी और टैरिफ खतरों की चिंताओं के बीच अमेरिकी व वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बाद दर्ज की गई। सोमवार को बाजार खुलने के बाद सभी क्षेत्रों में बिकवाली देखी गई। इस दौरान सेंसेक्स 75000 के स्तर के नीचे पहुंच गया। सुबह 9.44 बजे बीएसई सेंसेक्स 733.86 (0.97त्न) की गिरावट के साथ 74,577.20 पर पहुंच गया। दूसरी ओर, निफ्टी50 222.61 (0.98त्न) अंक गिरकर 22,573.30 पर कारोबार करता दिखा। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में अमेरिकी उपभोक्ता भावना 15 महीने के निचले स्तर पर आ गई, जबकि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ योजनाओं को लेकर चिंताओं के बीच मुद्रास्फीति की आशंका बढ़ गई। विकास संबंधी चिंताओं के बीच वॉल स्ट्रीट पर शुक्रवार को हुए नुकसान के बाद अधिकांश एशियाई बाजारों में गिरावट आई।जोमैटो , एचसीएल टेक , टीसीएस , टेक महिंद्रा , एचडीएफसी बैंक और इंडसइंड बैंक के शेयर गिरावट के साथ खुले, जबकि सन फार्मा , मारुति , एमएंडएम, बजाज फिनसर्व और नेस्ले इंडिया में शुरुआती बढ़त देखी गई। सेक्टोरल मोर्चे पर, निफ्टी आईटी इंडेक्स में 1.8त्न की गिरावट आई, जिसमें एलटीटीएस, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स और कोफोर्ज शामिल थे। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, मीडिया, मेटल, पीएसयू बैंक, रियल्टी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स भी 1त्न से अधिक की गिरावट के साथ खुले।

प्रधानमंत्री मोदी के आगमन पर भाजयुमो राजा भोज मंडल ने दीप प्रज्वलन कर की आतिशबाजी

भोपाल। मध्यप्रदेश की आर्थिक उन्नति को लेकर भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 में आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर राजा भोज मंडल भारतीय जनता युवा मोर्चा भोपाल द्वारा लालघाटी चौराहा पर एक दीप ,एक संकल्प दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजा भोज मंडल भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष इंजी.भरत यादव द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम में मुख्यरूप से प्रधानमंत्री मोदी के आगमन पर दीप प्रज्वलन कर आतिशबाजी की गयी। इस दौरान पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विकास सोनी, पूर्व पार्षद बलवीर यादव, मंडल उपाध्यक्ष पुष्पा आचार्य, धर्मेंद्र शर्मा, अनिल मिश्रा, वार्ड संयोजकसुरेश सेंगर, रुकमणी मालवीय, रंजन पाराशर, बंटी पाटिदार, आकाश सिंह गौर, जितेंद्र यादवसहित सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जरूरी सुझाव: सिबिल स्कोर को खराब कर देता है कर्ज सेटलमेंट, युवाओं के बीच तेजी से फैल रहा चलन

नई दिल्ली, एजेंसी। खराब प्रोफाइल वालों की पहचान करने और उनको कर्ज देने से बचने के लिए बैंकिंग व वित्तीय संस्थान लंबे समय से सिबिल स्कोर का उपयोग करते हैं। यह ऐसा पैमाना है, जिससे आपके कर्ज चुकाने की क्षमता से लेकर वित्तीय व्यवहार और अनुशासन की पहचान होती है। जब भी आप कर्ज लेने जाएंगे तो बैंक या वित्तीय संस्थान सबसे पहले सिबिल स्कोर देखते हैं।?700 से ऊपर का स्कोर ठीकठाक माना जाता है। यह 800 से ऊपर है तो बहुत ही अच्छा है और बैंकों के साथ कर्ज लेते समय कम ब्याज के लिए भी मोलभाव कर सकते हैं। बहुत सारे लोग कर्ज चुकाने के लिए बैंकों के साथ सेटलमेंट भी करते हैं।खासकर पर्सनल लोन और उसमें भी क्रेडिट कार्ड से जुड़े कर्जों की संख्या 90 फीसदी से ऊपर है, जिसे लोग सेटल करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इनके एवज में कोई गारंटी नहीं होती है, जबकि होम लोन या कार लोन जैसे कर्ज लेने के एवज में बैंकों के पास यह विकल्प होता है कि वे आपके मकान या कार को वापस ले सकते हैं, जिससे उनके लोन की कुछ भरपाई हो जाती है। हालांकि, क्रेडिट कार्ड और कुछ अन्य पर्सनल लोन में यह सुविधा नहीं होती है। आजकल के युवा पूरे खर्च को क्रेडिट कार्ड के जरिये चला रहे हैं। चूंकि, क्रेडिट कार्ड के उपयोग में तुरंत पैसा नहीं देना होता है और कार्ड जारी करने वाला संस्थान बिना ब्याज के कुछ दिन तक भुगतान करने की मोहलत देता है।

बढ़ते तापमान से 2030 तक 30 प्रतिशत कृषि कर्ज डूबने का खतरा, जलवायु परिवर्तन से प्रति व्यक्ति आय में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के कारण अगले पांच वर्षों में यानी 2030 तक कृषि एवं आवासीय कर्ज के 30 फीसदी हिस्से के डूबने का जोखिम है। बीसीजी की एक विश्लेषण रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि औसत वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर की तुलना में करीब 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इस कारण तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आ रही है और कृषि उत्पादन घट रहा है।?इसके परिणामस्वरूप, बढ़ती चरम मौसम की घटनाओं से प्रभावित लोगों की प्रति व्यक्ति आय में गिरावट आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का लगभग आधा कर्ज, प्रकृति और उसके पारिस्थितिकी तंत्र पर काफी हद तक निर्भर है। इसलिए, कोई भी प्राकृतिक आपदा उनके मुनाफे को प्रभावित करती है। अनुमान के मुताबिक, 2030 तक भारत के 42 फीसदी जिलों में तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। अगले पांच साल में तापमान वृद्धि से 321 जिले प्रभावित हो सकते हैं, जिससे लोगों की कमाई पर असर पड़ सकता है। बीसीजी के प्रबंध निदेशक एवं भागीदार एशिया प्रशांत अभिनव बंसल ने कहा, भारत कोयले और कच्चे तेल से दूर होकर नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

475000 मौतें, 63 लाख लोगों ने छोड़े घर, यूक्रेन में लड़ाई को हुए तीन साल तो रूस ने किया सबसे बड़ा हमला

वॉशिंगटन , एजेंसी। रूस यूक्रेन युद्ध को तीन साल हो गए हैं. रूस ने युद्ध के तीन साल होने पर 267 ड्रोन से एक साथ हमला किया. यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, खार्किव, पोल्टावा, सुमी, कीव, चेर्निहाइव, मायकोलाइव और ओडेसा सहित पूरे यूक्रेन में कम से कम 13 क्षेत्रों में ड्रोन रोके गए. यह अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक है. यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध को जल्द से जल्द खत्म करने के लिए दबाव बना रहे हैं. 24 फरवरी इस युद्ध को तीन साल पूरे हो गए हैं. तीन साल होने के बाद भी यह युद्ध नहीं रुक पाया है. युद्ध रोकने के लिए सऊदी अरब में अमेरिका ने रूस के साथ मीटिंग की, लेकिन पूरी दुनिया के लिए हैरानी की बात रही कि इसमें यूक्रेन को शामिल नहीं किया गया. युद्ध के तीन साल होने के बाद सवाल किया जा रहा है कि आखिर यह जंग कब खत्म होगी रूस की ओर से 2022 में पूर्ण पैमाने पर हमला किया गया था. यूक्रेन के कई इलाकों को रूस ने कब्जाया है. पश्चिमी सहयोगियों की ओर से सैन्य मदद के जरिए यूक्रेन लड़ रहा है. लाखों यूक्रेनी लोग विस्थापित हुए, जबकि हजारों मारे गए या घायल हुए. यूक्रेन युद्ध की शुरुआत में यूक्रेन ने अपनी राजधानी कीव को रूसी अटैक से बचा लिया. लेकिन बाद में खार्किव और खेरसॉन के कुछ हिस्सों को वापस हासिल कर लिया. लेकिन डोनेट्स्क और बखमुत जैसे पूर्वी क्षेत्रों में उसे भारी नुकसान हुआ. इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वार के डेटा विश्लेषण से पता चलता है कि 2022 के आक्रमण के बाद से यूक्रेन ने लगभग 11 फीसदी जमीन गंवा दी. 2014 से अब तक यूक्रेन के 18 फीसदी इलाके पर रूस कब्जा कर चुका है. साल 2014 में रूस ने क्रीमिया पर कब्जा किया था. अमेरिका यूक्रेन का सबसे बड़ा सहयोगी रहा है. साल 2022 से अब तक उसने 95 बिलियन की सैन्य, मानवीय और वित्तीय सहायता दी है. लेकिन ट्रंप प्रशासन में यह मदद खतरे में पड़ सकती है. ट्रंप ने 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान यूक्रेन को दी जा रही अमेरिकी मदद की आलोचना की थी. हाल ही में उन्होंने यूक्रेन से मदद के बदले दुर्लभ खनिज मांग लिए हैं.

बैरागढ में हुआ सामूहिक अग्निहोत्र यज्ञ, बड़ी संख्या में लोगों ने डाली आहूति

संत हिरदाराम नगर। बैरागढ़ में सामूहिक अग्निहोत्र यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें 100 से अधिक लोगों ने एक साथ यज्ञ में आहूतियां डाली। मनोज गुप्ता ने बताया कि अग्निहोत्र यज्ञ आज की आवश्यकता है और प्रदूषण के कारण बन रही प्रतिकूल परिस्थितियो में अग्निहोत्र यज्ञ मदद करता है। अग्निहोत्र करना हम सब की जिम्मेदारी है आज समय में पानी, हवा और भूमि में प्रदूषण घुलता जा रहा है इसे अगर नियंत्रित नहीं किया गया तो हम जिंदा नहीं रह पायेंगे। उन्होंने कहा कि माधव आश्रम भोपाल सन् 1963 से अग्निहोत्र यज्ञ का जन-जन में प्रचार कर रहा है। प्रत्येक घर में अग्निहोत्र यज्ञ की स्थापना हो यही हम सब का पर्याय है।

अमृत प्रोजेक्ट के 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' के तीसरे चरण में की सफाई

खटलापुरा मंदिर से करिश्मा पार्क, छोटा तालाब के किनारे और बैरागढ़ गुलाब उद्यान के समीप तालाब किनारे साफ-सफाई की गई

संत हिरदाराम नगर। रविवार को अमृत प्रोजेक्ट के 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' के तीसरे चरण का आयोजन विश्वभर में हुआ और उसी के साथ दिल्ली में एक विशाल सत्संग कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। संत निरंकारी मिशन के जोन 24 ए की सभी ब्रांचों के साथ ही भोपाल ब्रांच द्वारा खटलापुरा मंदिर से करिश्मा पार्क छोटा तालाब के किनारे और बैरागढ़ ब्रांच द्वारा झूलेलाल विर्सजन घाट के सामने गुलाब उद्यान के समीप तालाब किनारे साफ-सफाई की गई। 27 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के 1650 से अधिक स्थानों पर, 10 लाख से भी अधिक सेवाभाव से ओत-प्रोत स्वयंसेवक भक्तों ने एक साथ इस पुनीत अभियान को साकार किया। यह दृश्य केवल प्राकृतिक स्वच्छता तक सीमित न रहकर, अंतर्मन को निर्मल और पवित्र करने की एक आध्यात्मिक यात्रा का सुंदर प्रतीक बन गया। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज ने जल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए समझाया कि पानी अमृत समान है, जिसे प्रकृति ने हमें जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपहार के रूप में प्रदान किया है। इसकी स्वच्छता और संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारी स्वाभाविक आदत होनी चाहिए। हम अक्सर अनजाने में अपशिष्ट और गंदगी को जल स्रोतों या अन्य स्थानों पर डालकर प्रदूषण को बढ़ावा देते हैं, जिससे पर्यावरण को हानि होती है। इसी चिंतन से प्रेरित होकर, 'प्रोजेक्ट अमृत' जैसी सामाजिक पहल की शुरुआत की गई है, जो जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

CII Confederation of Indian Industry

EY Shape the future with confidence

अनंत संभावनाओं की भूमि मध्यप्रदेश में आपका स्वागत है

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

अनंत संभावनाएं

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष - 2025

औद्योगिक विकास के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दृढ़ प्रतिबद्धता से मध्यप्रदेश में निवेश का मजबूत ईको सिस्टम विकसित हुआ है। अपनी निवेशक अनुकूल नीतियों एवं 'स्टार्ट योर बिज़नेस इन 30 डेज़', एकल खिड़की व्यवस्था, ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस में अग्रणी एवं अपार संसाधनों के साथ प्रदेश निवेश के एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

कार्यक्रम

24 फरवरी 2025

प्रातः 7:30	पंजीयन
	सेक्टर आधारित सत्र
प्रातः 11:45–सायं 6:30	टेक इन्वेस्ट – समिट हॉल 1
प्रातः 11:45–दोपहर 2:00	नवीनीकृत मध्यप्रदेश – समिट हॉल 2
दोपहर 3:15 - सायं 7:00	फीडर सोलराइजेशन समिट : 2000 मेगावॉट कुसुम सी की प्रीबिड – समिट हॉल 2
	पार्टनर कन्ट्री सेशन
प्रातः 11:45 –दोपहर 12:45	ग्लोबल साउथ पर सेशन – कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 12:45–1:45	जर्मनी और मध्यप्रदेश के लिए निवेश रणनीतियों पर सत्र – कन्ट्री सेशन हॉल
दोपहर 3:30–सायं 4:30	जापान और मध्यप्रदेश के बीच आर्थिक सहयोग पर सत्र - कन्ट्री सेशन हॉल
	थीमेटिक सेशन
प्रातः 11:45–दोपहर 12:45	मॉलिक्यूल टू मशीन (फार्मा एवं मेडिकल डिवाइसेस)- सेशन हॉल 1
दोपहर 1:15–2:15	इन्वेस्टिंग इन ह्यूमन कैपिटल (स्किल डेवलपमेंट) - सेशन हॉल 1
सायं 4:30–5:30	सड़क निर्माण के बुनियादी ढांचे में गति लाना : निवेश, नवाचार और संभावनाएं - सेशन हॉल 3
	सीआईआई मीटिंग
दोपहर 2:00-3:00	महिला उद्यमियों एवं स्टार्ट-अप्स के लिए नेटवर्किंग के अवसरों पर सीआईआई आईडब्ल्यूएन सत्र - कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 3:00–सायं 4:00	सीआईआई राष्ट्रीय वस्त्र एवं परिधान समिति- कॉन्फ्रेंस हॉल
सायं 4:00–5:00	सीआईआई राष्ट्रीय एमएसएमई काउंसिल मीटिंग - कॉन्फ्रेंस हॉल
सायं 5:00-7:00	द विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग- कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 3:30–सायं 4:00	एमओयू सेशन – सेशन हॉल 3

25 फरवरी 2025

	सेक्टर आधारित सत्र
प्रातः 9:30–11:15	मध्यप्रदेश प्रवासी समिट- समिट हॉल 2
प्रातः 10:30–दोपहर 12:30	पर्यटन समिट- समिट हॉल 1
प्रातः 11:30–दोपहर 1:30	माइनिंग समिट- समिट हॉल 2
दोपहर 2:00–सायं 4:00	एमएसएमई एवं स्टार्ट-अप समिट – मुख्य हॉल
दोपहर 2:00–सायं 4:00	शहरी विकास समिट- समिट हॉल 1
	प्री-बिड सेशन
प्रातः 10:00–11:30	मुरैना सोलर- बीईएसएस प्रोजेक्ट– सेशन हॉल 1
प्रातः 11:30–दोपहर 12:00	मुरैना यूपी-एमपी कॉम्प्लिमेन्टैरिटी प्रोजेक्ट- सेशन हॉल 1
दोपहर 12:00–2:00	रूफटॉप सोलर (RESCO)- सेशन हॉल 1
	पार्टनर कन्ट्री सेशन
प्रातः 10:30–11:30	कनाडा राउन्ड टेबल- कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 12:00–1:00	बहुराष्ट्रीय निवेश सत्र- कन्ट्री सेशन हॉल
दोपहर 2:30–3:30	पोलैंड कन्ट्री सेशन- कन्ट्री सेशन हॉल
	थीमेटिक सेशन
प्रातः 10:30–11:30	नए युग का आरंभ (वस्त्र एवं परिधान)- सेशन हॉल 2
प्रातः 11:00–दोपहर 12:30	फ्यूचर फ्रंटियर्स- एमपी स्टार्टअप पिचिंग सेशन- सेशन हॉल 3
दोपहर 12:00–1:00	सीड टू शेल्फ (खाद्य प्रसंस्करण एवं बागवानी)- सेशन हॉल 2
दोपहर 12:30–1:30	थीमेटिक सेशन (को-ऑपरेटिव)- सेशन हॉल 3
दोपहर 2:30–3:30	ग्रीन हाइड्रोजन- सेशन हॉल 1
दोपहर 2:00–3:00	लॉजिस्टिक्स: दुनिया से जुड़ता मध्यप्रदेश- सेशन हॉल 2
	इन्वेस्ट मध्यप्रदेश समापन सत्र
सायं 4:30–6:00	ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट - मुख्य हॉल

फोकस सेक्टर

- कृषि, खाद्य और डेयरी प्रसंस्करण
- ऑटोमोबाइल एवं ऑटो कंपोनेंट्स
- टेक्सटाइल एवं गारमेंट्स
- फार्मा, मेडिकल डिवाइस और हेल्थ केयर
- आईटी/आईटीईएस/ ईएसडीएम
- नवीकरणीय ऊर्जा
- लॉजिस्टिक्स एवं भंडारण
- प्राकृतिक गैस एवं पेट्रो रसायन
- एयरोस्पेस एवं डिफेंस
- पर्यटन
- माइनिंग
- कौशल निर्माण
- शहरी विकास

अधिक जानकारी के लिये
invest.mp.gov.in

D-11195/24

मुख्य आकर्षण

- एमपी मोबिलिटी एक्सपो
- सेंट्रल इंडिया फैब्रिक एंड फैशन एक्सपो
- ओडीओपी विलेज
- कन्ट्री सेशन
- एमपी पवेलियन
- एग्जीबिशन एवं एक्सपो
- एमपी बिजनेस एग्जीक्यूटिव मीट (बी2बी मीटिंग)
- मध्यप्रदेश सरकार एवं बिजनेस मीट (बी2जी मीटिंग)

मध्यप्रदेश माध्यम द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

शांति समिति की बैठक में महाशिवरात्रि एवं रमजान माह प्रारंभ होने पर हुई चर्चा

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता)। थाना औबेदुल्लागंज में शांति समिति की बैठक में सर्वप्रथम शांति कमेटी सदस्य रवि यादव को सभी ने मौन श्रद्धांजलि दी इसके बाद टी.आई बीपी सिंह एवं प्रभारी सीएमओ राजकुमार शर्मा के मार्गदर्शन में बैठक प्रारंभ हुई महाशिवरात्रि और रमजान माह प्रारंभ हो रहे हैं उसे पर चर्चा हुई सभी त्यौहार हर्षोल्लास भाईचारे और एकता से मनाने पर चर्चा हुई औबेदुल्लागंज परंपरा अनुसार त्यौहार सब मिलजुल कर मानाते हैं यह मिसाल है इस अवसर पर नगर की साफ सफाई और पीने के पानी की व्यवस्था नगर परिषद करेगी सुरक्षा व्यवस्था पुलिस विभाग करेगा नगर में ट्रैफिक व्यवस्था पर चर्चा हुई गोहरगंज रोड और भोजपुर रोड चौराहे पर स्पीड ब्रेकर बनाने का प्रस्ताव पास हुआ महाशिवरात्रि पर विशाल शिव बारात निकलेगी पर प्रकाश डाला इस अवसर पर सुरजीत सिंह बिल्ले सोनू चौकसे, देवेंद्र सिंह राजू, देवेंद्र चौहान, सुजीत यादव, सुनील सेरिया, आमीर ममनून, मोहन योगी, प्रीतम राजपूत, हरपाल राजपूत, पामेश यादव, कपिल यादव अमित श्रीवास्तव समाजसेवी एवं नगर के वरिष्ठ सहित पत्रकार गण मौजूद रहे

छतरपुर जिले में बागेश्वर धाम में ड्यूटी कर वापस आकर एक डॉक्टर ने एक बच्चे के गले में फंसा सिक्का निकाला।

नपा अधिकारियों के साथ किया इंटेकवेल का निरीक्षण

हमारा प्रयास है प्रतिदिन नागरिकों को मिले शुद्ध पेयजल : रायसिंह मेवाड़ा

आष्टा। नगरपालिका अपने नगरवासियों को हर मूलभूत सुविधाओं को मुहैया कराने में हर संभव प्रयासरत है। इसी के चलते नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा रामपुरा डेम से छुड़वाए गए पानी को लेकर काफी सजग है। श्री मेवाड़ा के प्रयास से छोड़े गए पानी को पार्वती नदी तक लाने में आने वाली हर अड़चनों को दूर किया है। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा द्वारा नपा के तकनीकी अधिकारियों एवं जलकार्य प्रमुखों की उपस्थिति में नगरपालिका द्वारा किए जा रहे सर्चिंग कार्य एवं पार्वती नदी स्थित निर्मित इंटेकवेल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 100एचपी मोटरपंप स्थापित करवाई गई, ताकि और तीव्र गति से जल का संग्रहण कर नागरिकों के घरों तक नल के माध्यम से समय पर और पर्याप्त मात्रा में पहुंचाया जा सकें। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने यह भी जानकारी दी है कि परिषद का प्रयास है कि जो जलापूर्ति की व्यवस्था नगरपालिका द्वारा एक दिन छोड़कर की गई है उसे शीघ्र ही बदलकर प्रत्येक दिन नागरिकों को जलापूर्ति हो सकें। सर्चिंग कार्य में लिप्त सभी प्रभारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पानी चोरी को रोकने में पूरा ध्यान दे और जहां भी अवैध रूप से

विद्युत जल मोटर डालकर पानी की चोरी की जा रही है उन्हें समझाएं, अगर नही समझे तो विद्युत जल मोटर जप्त कर राजसात की कार्यवाही करें। निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा के साथ उपयंत्री पी.के. साहू, कुशलपाल लाला, प्रहलादसिंह वर्मा, कैलाश बागवान आदि मौजूद थे।

अखिल भारतीय गोंडवाना पार्टी ने जनहित की समस्याओं को लेकर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा – अखिल भारतीय गोंडवाना पार्टी द्वारा दिनांक 23 फरवरी 2025 दिन रविवार को समय 11 बजे से स्थानीय बस स्टेण्ड पुलिस ग्राउण्ड के सामने छिंदवाड़ा में विशाल आमसभा का आयोजन मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के एड. भानू प्रताप सिंह, कार्यक्रम अध्यक्ष झमकलाल सरयाम राष्ट्रीय अध्यक्ष भागोपा, गुलजार सिंह मरकाम संयोजक गोडवाना समग्र क्रांति आंदोलन की उपस्थिति में किया गया था, परंतु प्रशासन द्वारा आमसभा एवं रैली करने की अनुमति प्रदान करने में असमर्थता व्यक्त की गई । जिसके चलते पार्टी के सैंकड़ों लोगों द्वारा जिला कलेक्टर कार्यालय पहुँचकर जिलाध्यक्ष के माध्यम से महामहिम राज्यपाल के नाम 7 सूत्रीय मॉगो का ज्ञापन सौंपा । उक्ताशय की जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री पुजारी धुर्वे ने देते हुये बताया कि ज्ञापन में प्रमुख रूप से कन्हान, दूधी नदी और शक्कर नदी पर बन रहे बांध निरसत किया जावे, छिंदवाड़ा कलेक्टर के परमिशन से गैर आदिवासियों को बेची गई जमीन निरस्त किया जावे एवं आदिवासियों की जमीन गैर आदिवासियों के कब्जे से तत्काल छुड़वाया जावे, ई.वी.एम. से चुनाव बंद कर बैलेट पेपर से करवाया जावे, 3 लाख से ज्यादा खाली पड़े म.प्र. सरकार में बैकलॉग (आरक्षित) पदों पर तत्काल भर्ती करने, अनुसूचित जनजाति का फर्जी जात प्रमाण पत्र लगाकर शासकीय नौकरी कर रहे लोगों को तत्काल हटाये जाने, सरकारें सार्वजनिक संस्थाओं का निजीकरण कर आरक्षण समाप्त कर रही है इसे बंद करने, छिंदवाड़ा-पॉढुर्णा में जिले में धड़ल्ले से चल रहे अवैध जुँआ, सट्टा, शराब की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने को लेकर प्रदेश सौंपा गया, और पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि इन 7 सूत्रीय मॉगो का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो शीघ्र ही जनहित में उग्र आंदोलन किया जायेगा जिसकी समस्त जबावदारी शासन प्रशासन की होगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष झमकलाल सरयाम, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इन्द्रभान शाह उईके, कृष्ण कुमार बरडे, राष्ट्रीय संगठन मंत्री चन्द्रमोहन कुमरे, रामअवतार धुर्वे, दिनेश इनवाती, संजय कवरेती, मनीष उइके, अतरलाल धुर्वे, सतीश भलावी, मनेश कुमरे, साहबलाल धुर्वे, विस्तुलाल उइके, नरेश सल्लाम, हीरामन विश्वकर्मा सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

आयु हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर का भव्य शुभारंभ आधुनिक सुविधाओं से होगा मरीजों का समुचित इलाज

बैरसिया। नगर के नुपुर विहार कॉलोनी, वार्ड नंबर 18, भोपाल रोड स्थित आयु हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर का भव्य शुभारंभ रविवार को संपन्न हुआ। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित इस अस्पताल का उद्घाटन पूर्व सांसद सुरेंद्र सिंह ठाकुर, पूर्व विधायक जोधा राम गुर्जर, पूर्व विधायक भक्तपाल सिंह राठौड़, महासचिव अवनीश भार्गव, नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़, सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने अस्पताल के डायरेक्टर, चिकित्सकों एवं स्टाफ को शुभकामनाएं दीं। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित अस्पताल अस्पताल के डायरेक्टर ने बताया कि आयु हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों से लैस है, जहां मरीजों को एक ही छत के नीचे समुचित एवं विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि अस्पताल का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को उच्चस्तरीय चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है। शुभारंभ समारोह में नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित व्यक्ति, पत्रकार एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। अस्पताल का संचालन चंचल खत्री, राघवेंद्र गुर्जर, श्रीमती ज्योति पालीवाल एवं श्रीमती कविता पालीवाल द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने अस्पताल संचालक को बधाई देते इसे नगरवासियों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा केंद्र बताया।

टीम संडे के सुकून ने शहर को दी मार्मिक सौगात

सीहोर। टीम संडे का सुकून अपने नित नए कार्यों की वजह से शहर के लोगों में और गहरी जगह बनाती जा रही है। अब टीम संडे का सुकून ने एक ऐसा काम कर दिया, जिसने शहरवासियों के दिल में गहरी छाप छोड़ दी है। दरअसल, टीम संडे का सुकून ने एक साधे समारोह में शहर को मोक्ष वाहन व चलित प्याऊ वाहन भेंट किया है। इससे पहले भी टीम संडे का सुकून लगातार सामाजिक सेवा कार्यों संलग्न थी। टीम संडे का सुकून ने शहर के भोपाल नाका स्थित होटल ब्लू स्टार में साधा समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में पूर्व कलेक्टर व लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संचालक प्रवीण सिंह अढायच, वरिष्ठ पत्रकार रवीन्द्र जैन, बसंत दासवानी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान टीम संडे का सुकून द्वारा शहर को मोक्ष वाहन व चलित प्याऊ वाहन भेंट किया। मोक्ष वाहन का सारा खर्च संडे का सुकून टीम उठाएगी। इसके लिए टीम ने एक मोबाइल नंबर भी जारी किया है।

टीम संडे का सुकून के सदस्यों ने मानवीय पहलुओं को देखते हुए शहर को यह खास मोक्ष वाहन के रूप में मार्मिक सौगात दी है। मोक्ष वाहन को आकर्षक रूप से बनवाया गया है। वाहन के चारों तरफ कांच लगे हैं, जिससे बाहरी लोग भी अंतिम दर्शन कर सके। वहीं वाहन में स्पीकर लगा है, ताकि अंतिम यात्रा के दौरान रामधुन बजती चले।

सिरोंज। बीजेपी के वरिष्ट नेता रवि सोनी का विवाह संपन्न होने पर पत्रकार महासंघ के अध्यक्ष रोहिताश्व शर्मा, वरिष्ट पत्रकार लक्ष्मण कटियार, कुलदीप जैन, संतोष जैन, वरिष्ट पत्रकार सईद खान ने इस मौके पर शुभ कामनाएं दी।

शिवरात्रि के पावन पर्व पर , नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया बाल विवाह रोकने का संदेश : ब्रह्माकुमारी

बक्सवाहा। सर्व आत्माओं के कल्याणकारी शिव पिता रहमदिल है। दया, करुणा के सागर परमात्मा के साथ स्वयं को स्पष्ट रखना चाहिए। छल कपट की मानसिकता से आत्मा कमजोर हो जाती है। जिससे मन ही मन सूक्ष्म रूप से दुखों का बोझ जीवन को भारी कर देता है। उक्त उदगार ब्रह्माकुमारी रमा दीदी ने महाशिवरात्रि के पवन पर्व पर नगर बक्सवाहा में व्यक्त किये साथ ही कहा कि मन की स्थिरता को कायम रखने के लिए आत्मा रूपी दीपक में ज्ञान और योग का घृत डालना जरूरी है। उच्च कोटि की शुद्ध संकल्पों से ही मन के कोनों में छिपे अज्ञान अंधकार से मुक्ति पाना संभव है एवं इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बाल विवाह विषय पर नुक्कड़ नटक प्रस्तुत किया गया। ब्रह्माकुमारीज़ राजयोगा एजुकेशन रिसर्च फाऊंडेशन के समाज सेवा प्रभाग द्वारा ब्रह्माकुमारी रमा दीदी ने नुक्कड़ नटक प्रस्तुत करने वाली सभी कुमारियों का सम्मान किया और सभा में उपस्थित सभी लोगों से अनुरोध किया कि यह जागरूकता जन-जन की जीवन में और घरों में होनी चाहिए एवं ब्रह्माकुमारीज़ का समाज सेवा प्रभाव जन जागरूकता कार्य में सदा सहयोगी रहता है।

इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित समाजसेवी कामता माली, समाजसेवी महेंद्र कुमार जैन, समाजसेवी गोविंद प्रसाद गुप्ता, समाजसेवी संजय कुडेरिया जी आदि लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये। अंत में सभी ने प्रसाद एवं ईश्वरीय साहित्य प्राप्त किया।

सड़क मरम्मत में उत्खनन को लेकर निर्माण कंपनियों का एक दूसरे पर आरोप लगाकर निष्पक्ष जांच की कर रहे मांग

दमोह। भगवती मानव कल्याण संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शोभा सिंह राजपूत संभागीय अध्यक्ष सुजान सिंह ने प्रेस वार्ता कर जबेरा जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत भाट खमरिया में 21 फरवरी को संगठन के सदस्यों द्वारा अवैध खनन करते हुए जेसीबी और डंपरो को प्रशासन से जब्त करवाया गया था लेकिन अर्जुन निर्माण कंपनी द्वारा उक्त खनन को वैध बता कर प्रशासन की कार्यवाही को गलत बताया जा रहा है लेकिन अर्जुन निर्माण कंपनी कंपनी द्वारा झूठ बोल कर भ्रमित किया जा रहा है।

बता दे कि 22 फरवरी को अर्जुन निर्माण कंपनी द्वारा कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें संगठन के लोगों पर शासकीय कार्य में बाधा डालने और प्रशासन पर दबाव बना कर कार्यवाही करवाने की शिकायत की गई जिसपर संगठन के जनपद पंचायत उपाध्यक्ष पुत्र अंशुल लोधी और अन्य सदस्यों पर कार्यवाही की मांग की गई साथ ही सिद्धार्थ मलैया ने प्रेस वार्ता में संगठन के रवैये और प्रशासन की कार्यवाही को गलत बताया और कहा कि नेशनल हाईवे 34 के मरम्मत कार्य अर्जुन निर्माण कंपनी को मिला है और मध्य प्रदेश शासन के नियम अनुसार शासकीय कार्य आदि के खनिज विभाग से अनुमति की आवश्यकता नहीं होती। मलैया ने आदेश संबधी प्रपत्र मीडिया के समक्ष रखें। 21 फरवरी को भगवती मानव कल्याण संगठन के सदस्यों द्वारा जबेरा विधानसभा की ग्राम पंचायत भाट खमरिया में अर्जुन निर्माण कंपनी द्वारा सड़क मरम्मत के कार्य हेतु की जा रही खुदाई को अवैध खनन बताते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की गई और कलेक्टर को जानकारी देकर उक्त खुदाई कार्य में लगी हुए वाहनों को जब्त करवाया गया इस पूरे मामले में संगठन और अर्जुन निर्माण कंपनी एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं और दोनों ही पक्ष निष्पक्ष जांच की मांग पर अड़े हुए हैं अब देखना यह होगा कि अवकाश से लौटने के पश्चात खनिज विभाग के अधिकारी अपनी जांच में किस राज को खोलेंगे?

`झोला छाप डॉक्टरों की भरमार स्वास्थ्य विभाग कर रहा किसी गंभीर घटना का इंतजार

सिरोंज। सिरोंज-लटेरी के झोला छाप डॉक्टर अपने आप को किसी एमबीबीएस से कम नहीं आंकते, बा शर्तें मरीज उनके पास पहुंच जाए, भोपाल के एम्स में होने वाला इलाज भी आप इन्हीं डॉक्टर से करा सकते हो, महिलाओं की डिलीवरी कराने से भी नहीं चूकते ये झोला छाप डॉक्टर, मध्य प्रदेश में अब झोलाछाप डॉक्टरों की खैर नहीं - सूबे की मोहन सरकार इन झोलाछाप डॉक्टरों को लेकर एक्शन मोड पर आ गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों और जिला चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों को फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है कि अब प्रदेश में सक्रीय ऐसे सभी डॉक्टरों की सूची बनाकर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश सरकार ने सभी कलेक्टरों, जिला चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों को झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश जारी किये हैं। साथ ही, भविष्य में भी ऐसे फर्जी डॉक्टरों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए जरूरी कार्रवाई की व्यवस्था करने के निर्देश दिये हैं।

झोलाछाप डॉक्टरों सरकार हुई सख्त - गौरतलब है कि, प्रदेश के अधिकतर नगरीय एवं ग्रामीण इलाकों में झोलाछाप डॉक्टर सक्रिय हैं। ये फर्जी डॉक्टर अवैध रूप से क्लीनिक संचालित कर लोगों की जान से खिलवाड़ करते हैं। इसके कई मामले लगातार सामने आते रहे हैं। इन्हीं कारणों को मद्देनजर रखते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने इन फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय,सैकड़ो झोला छाप डॉक्टर - लटेरी नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आपको हर जगह झोलाछाप डॉक्टर इलाज करते हुए नजर आते रहते हैं। इन झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा बेधड़क होकर मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इन झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा भोली भाली जनता को गुमराह करके उनके जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है।सूत्रों की माने तो कुछ झोलाछाप महिला डॉक्टर महिलाओं की डिलीवरी तक अपने क्लीनिक में करा देती है। कई नवजात की जान भी डिलीवरी कराते समय जा चुकी है। स्वयं का मेडिकल स्टोर संचालित कर रहे झोलाछाप डॉक्टर - अगर आप नगर में किसी झोला छाप डॉक्टर के पास इलाज कराने जाते हैं तो आपको दवा लाने के लिए किसी मेडिकल पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि इन झोलाछाप डॉक्टरों के द्वारा स्वयं के मेडिकल संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही सभी अंग्रेजी दवाइयां इनके क्लीनिक पर उपलब्ध रहती हैं।

प्रशासन मौन आखिर कार्यवाही करेगा कौन - पूरे प्रदेश में झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्य वाही की जा रही है, लेकिन कार्य वाही के नाम पर विदिशा जिले के लटेरी प्रशासन के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। आखिरकार यह सोचनीय विषय है कि प्रशासन किसके दबाव के कारण झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई नहीं कर रहा है।

किस डिग्री का क्या है मतलब – बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन - इस डिग्री वाला डॉक्टर मरीज का आयुर्वेदिक दवाइयां से इलाज कर सकता है। लेकिन लटेरी में इस डिग्रीधारी द्वारा एलोपैथिक पद्धति से धड़ल्ले से मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन – इस डिग्री को लेने वाला डॉक्टर मरीज का होम्योपैथिक इलाज कर सकता है अंग्रेजी दवाइयों का नहीं।लेकिन यहां पर इस डिग्री वाले डॉक्टर एमबीबीएस की भांति निडर होकर इलाज कर रहे हैं।

बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन - इस डिग्री वाला डॉक्टर मरीज का सिर्फ यूनानी दवाइयों से इलाज कर सकता है। अंग्रेजी दवाइयां से इलाज करना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है।

जिला स्तरीय स्वयं सेवी संस्थाओं का प्रशिक्षण सम्पन्न

समाज के अंतिम छोर के व्यक्तियों तक जानकारी पहुंचाने का कार्य संस्था करें: महापौर

छिन्दवाडा । म.प्र.जन अभियान परिषद (योजना आर्थिक सांख्यिकी विभाग मध्यप्रदेश शासन) जिला छिंदवाड़ा के अंतर्गत समृद्धि योजना में स्वैच्छिक संगठनों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा के सभाकक्ष में रविवार को आयोजित किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा के महापौर श्री विक्रम अहके, विशेष अतिथि के रूप में अध्यक्ष जन भागीदारी समिति पी.जी.कॉलेज श्री भरत घई, प्रमुख वक्ता के रूप में युवा समाज सेवी श्री अंशुल शुक्ला, वरिष्ठ समाजसेवी श्री महेंद्र खरे एवं जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन उपस्थित थे। मंच संचालन समाज सेवी श्री विनोद तिवारी ने किया। अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर श्री अहके ने जन अभियान परिषद की योजनाओं एवं समाज के अंतिम छोर में बैठे व्यक्ति तक पहुंच को बहुत ही हितकारी बताया। साथ ही जन अभियान परिषद के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की, महापौर ने कहा कि समाज कार्य में संलग्न सभी संस्थाओं की शासन की योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर अंतिम छोर के व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि आप लोगों के द्वारा की जा रही समाज सेवा बहुत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के विशेष अतिथि अध्यक्ष जन

भागीदारी समिति पी.जी.कॉलेज श्री घई ने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाएं पर्यावरण, स्वास्थ्य, जल संरक्षण के लिये बहुत अच्छे प्रयास कर रही हैं, इन्हें निरंतर समाज के बीच में रहकर कार्य करने का अनुभव है, जिसका जन अभियान परिषद द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षण देकर लोगों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित युवा समाजसेवी अंशुल शुक्ला ने समाज में पांच परिवर्तन करने की आवश्यकता बताई। जिसमें प्रमुख रूप से नागरिक अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन एवं स्वदेशी विषय पर सारगर्भित उद्बोधन दिया। जिसे समाज के लिए आज के परिवेश में अनिवार्य बताया। जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन ने जन अभियान परिषद का परिचय, योजनाओं, कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की एवं रूपरेखा रखते हुए समाज कार्य में अग्रणी समाज सेवी संस्थाओं के प्रशिक्षण की जानकारी प्रदान की, जिसमें उन्होंने कहा कि जनअभियान परिषद समाज को जागरूक करने के साथ ही शासन की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, इसके साथ ही सामाजिक संस्थाओं के नीति निर्धारण में भी मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद की अहम भूमिका रही है। प्रशिक्षण के विभिन्न सत्रों में जन अभियान परिषद का परिचय एवं योजनाओं प्रस्फुटन, नवांकुर, सृजन, दृष्टि, संवाद, समृद्धि एवं विस्तार योजना की जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता वरिष्ठ समाजसेवी महेंद्र खरे ने स्वैच्छिक संगठनों की संरचना एवं प्रभाव की ओर परिणाम प्रबंधन, महत्वपूर्ण पंजीयन, सीएसआर की जानकारी प्रदान की। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त समाज सेवी विनोद तिवारी द्वारा आदर्श ग्राम, सामाजिक अंकेक्षण इत्यादि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में जिले के सभी विकास खंड की सामाजिक संस्थाओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को जन अभियान परिषद की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी अलका शुक्ला, डॉ.मीरा पराडकर, अर्चना माहोरे, गोपाल कोठे, अरुण गदरे, तरुण सोनी, सचिन खंडाईत, लता नागले, तृप्ति सिंह, जय प्रकाश, अशीष साहू, मनीष तिवारी, सोनम अहरवार, दीपमाला नाग, डी.पी.मालवी व रघुवीर पंद्राम सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा संतोष अग्रवाल, पुत्र घनश्यामदास, निवासी मकान क्र. 39, मोलाना आजाद लायब्रेरी, इतवारा (म0प्र0) के स्वत्व, स्वामित्व व आधिपत्य के एक किता भूमि (भू-खंड) विक्रय क्षेत्रफल 0.0459 ऐकड़ (40 × 50 = 2,000 वर्गफिट) जो कि खसरा क्र. 72,73,74/2/1/1 रकबा 0.86 ऐकड़ एवं खसरा क्र. 77/80/1/2/1 रकबा 0.64 ऐकड़ कुल दो किता रकबा 1.50 एकड़ का भाग होकर स्थित ग्राम करोंद कलां प.ह.नं. 22, तहसील हुजूर, जिला भोपाल जो भोपाल नगर निगम की सीमाओं में वार्ड क्र.66 (वर्तमान 79) में स्थित हैं। जिसके पूरब में रास्ता, पश्चिम में कृष्णा राजदेव की भूमि, उत्तर में संपत्ति पूर्व विक्रेता सतीष कुमार जैन की, दक्षिण में संपत्ति पूर्व विक्रेत, सतीष कुमार जैन की को क्रय करने का अनुबंध कर लिय गया हैं तथा जिस संबंध में बयाना राशि भी अदा कीजा चुकी हैं। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि यदि ऊपर उल्लेखित संपत्ति के विक्रय संव्यवहार में किसी व्यक्ति, संस्थान अथवा हित व अधिकार रखने वाले को कोई आपत्ति हो तो वह मे दस्तावेज सहित 15 दिवस की अवधि में मुझे, मेरे कार्यालय में आकर संपर्क करें, म्याद उपरांत अवशेष विक्रय मूल्य अदा करके विक्रय पत्र का निष्पादन व पंजीयन कर लिया जावेगा एवं कोई आपत्ति अथवा दावा मान्य नहीं होगा।

भवदीय
संचय नेमा (अधिवक्ता)